दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-44, अंक 274
कोटद्वार शुक्रवार
10 फरवरी 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

भर्ती धांधली के विरोध में प्रदर्शन- हंगामा

पुलिस ने किया लाठीचार्ज तो युवाओं ने शुरू किया पथराव

देहरादून । भर्ती धांधली के विरोध में प्रदेशभर में युवाओं का प्रदर्शन जारी है। सड़कों पर उतरी आक्रोशित युवाओं की भारी भीड़ के चलते कई जगहों पर ट्रैफिक जाम हो गया है। प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए युवाओं ने कहा कि नकलरोधी कानून आने के बाद ही कोई भी भर्ती परीक्षा कराई जाए।

राजधानी देहरादून में गुरुवार को भी गांधी पार्क के सामने विरोध करने युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिसके चलते यहां जाम लगाया गया है। घंटाघर से राजपुर रोड की तरफ ट्रैफिक जाम हो गया। उन्होंने मांग उठाई कि पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की जाए और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। साथ ही जब तक नकलरोधी कानून नहीं बन जाता, तब तक कोई भी भर्ती परीक्षा न कराई जाए।

विरोध प्रदर्शन करते हुए गांधी पार्क से घंटाघर पहुंचे युवाओं ने जाम लगाया तो पुलिस ने युवाओं पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया। वहीं आक्रोशित युवाओं की भीड़ ने भी पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इससे पहले गांधी पार्क में बेरोजगार युवाओं से मिलने पहुंचे चकराता विधायक प्रीतम सिंह को युवाओं ने घेरा और गो बैक के नारे लगाए। इससे पहले जिलाधिकारी सोनिका पहुंची गांधी पार्क पहुंची,लेकिन युवाओं ने बात करने से किया मना कर दिया। कुछ युवाओं से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने हंगामा कर दिया। उत्तरकाशी पहुंचे मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को भी युवाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ा।

उत्तराखंड बेरोजगार संघ के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश सिंह ने बताया कि लोक सेवा चयन आयोग और अधीनस्त सेवा चयन आयोग की ओर से करवाई गई सभी परीक्षाओं में जमकर धांधली हुई है। धांधली की वजह से तमाम परीक्षाएं निरस्त हुई हैं। पुलिस, पटवारी, वन क्षेत्राधिकारी, लोअर पीसीएस, अपर पीसीएस, आरओ, एआरओ, पीसीएस जे, प्रवक्ता एई, जेई की परीक्षाएं दे चुके युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। ऐसे में परीक्षा नियंत्रकों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए।इसके अलावा नकल करने वाले और नकल करवाने वालों के नाम सार्वजनिक किए जाएं।

घोटाले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी: सीएम

बिगड़ते हालात के बीच अब सीएम पुष्कर सिंह धामी का बयान सामने आया है। सीएम ने युवाओं को आश्वस्त किया कि उनके भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ नहीं किया जाएगा। कहा कि हमने घोटाला किया न दबाया है। उन्होंने युवाओं से किसी के बहकावे न आने की अपील की। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि युवाओं के हितों की रक्षा करना सबसे पहला दायित्व है। नकल रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा। घोटाले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। भर्ती धांधली के विरोध में प्रदेशभर में युवाओं का प्रदर्शन जारी है। सड़कों पर उतरी आक्रोशित युवाओं की भारी भीड़ के चलते कई जगहों पर ट्रैफिक जाम हो गया है।

मुम्बई के निवासियों को वह सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी जिसके वे हकदार हैं : शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आश्वासन दिया है कि मुंबईकरों को वह सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी जिसके वे हकदार हैं। शिंदे गत रात मराठी समाचार चौनल की ओर से आयोजित संकल्प महाराष्ट्र संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि, मुंबई शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये की लागत से कंक्रीट सड़क का काम चल रहा है। जगह-जगह सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। यातायात की भीड़ को कम करने के लिए मेट्रो का विस्तार चल रहा है। इसके साथ ही तटीय सड़क के काम में तेजी लाई गई है। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

7 कर्मचारियों की दम घुटने से मौत

काकीनाडा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक दुरूखद घटना सामने आई है। जहां, एक कंपनी में काम करने वाले सात कर्मचारियों की मौत हो गई है। ये सभी लोग फैक्ट्री में ही लगे तेल टैंकर की सफाई के लिए उसके भीतर उतरे हुए थे। सफाई के दौरान ही सातों ने दम तोड़ दिया। माना जा रहा है कि सातों कर्मचारियों की मौत दम घुटने से हुई है। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

पेद्दापुरम मंडल के जी रागमपेट में स्थित अंबाटी सुबन्ना अइल कंपनी में इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आसपास के लोग भी वहां इका। हो गए हैं। बताया जा रहा है कि नई अइल फैक्ट्री की टैंक की सफाई के लिए एक के बाद एक करके 7 लोगों को उसके अंदर उतारा गया था, सभी कर्मचारियों की मौत हो गई है। घटना के संबंध में पूरी जानकारी सामने आनी बाकी है। अभी तक यह भी पता नहीं चल पाया है कि टैंकर में कैसा तेल भरा गया था। क्या गैस की वजह से कर्मचारियों का दम घुट गया या फिर कोई और वजह है।

फर्जी डाक्टरों के पंजीकरण मामले में तीन कर्मचारी निलंबित

देहरादून। उत्तराखंड में फर्जी आयुर्वेद डक्टरों के पंजीकरण मामले में गिरफ्तार तीन कर्मचारियों को भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड ने निलंबित कर दिया है। वहीं, पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए परिषद दस्तावेजों का दोबारा सत्यापन करेगा। इसके लिए समिति बनाई जाएगी, जिसमें सेवानिवृत्त आयुर्वेद डक्टरों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा।

हाल ही में नेहरू कलोनी थाना पुलिस ने फर्जी आयुर्वेद डक्टरों के मामले में भारतीय चिकित्सा परिषद के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार था। इसमें वैयक्तिक सहायक विवेक रावत, कनिष्ठ सहायक विमल प्रसाद, अंकुर माहेश्वरी शामिल थे। परिषद में तीनों कर्मचारी पंजीकरण का काम देखते थे। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी कर्मचारी गलत तरीके से फर्जी पंजीकरण करने के लिए 50 से 60 हजार रुपये लेते थे। तीनों कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद परिषद ने भी उन्हें निलंबित कर दिया है।

भारतीय चिकित्सा परिषद की रजिस्ट्रार नर्वदा गुसाईं ने तीनों कर्मचारियों के निलंबन की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आयुर्वेद डक्टरों का दोबारा से सत्यापन किया जाएगा।

2022 में 225 लाख लोगों ने छोड़ी भारतीय नागरिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2011 के बाद से 16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ी है। केंद्र सरकार ने सरकारी आंकड़ों के हवाले से गुरुवार को राज्यसभा को यह जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने क्रमबद्ध तरीके से नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों को हर साल का आंकड़ा पेश किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सवाल के लिखित जवाब में साल 2011 के बाद से 16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ी है, जिसमें पिछले साल 2,25,620 शामिल थे, जो इस अवधि के दौरान सबसे अधिक थे, जबकि 2020 में सबसे कम 85,256 थे। उन्होंने बताया कि साल 2015 में भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या 1,31,489 थी, जबकि 2016 में 1,41,603 लोगों ने नागरिकता छोड़ी और 2017 में 1,33,049 लोगों ने नागरिकता छोड़ी। उनके मुताबिक 2018 में यह संख्या 1,34,561 थी, जबकि 2019 में 1,44,017, 2020 में 85,256 और 2021 में 1,63,370 भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी।

मंत्री के अनुसार, 2022 में यह संख्या 2,25,620 थी। जयशंकर ने कहा कि संदर्भ के लिए 2011 के आंकड़े 1,22,819 थे, जबकि 2012 में यह 1,20,923, 2013 में 1,31,405 और 2014 में 1,29,328 थे। वर्ष 2011 के बाद से भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की कुल संख्या 16,63,440 है।

उन्होंने कहा कि सूचना के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों के दौरान पांच भारतीय नागरिकों ने संयुक्त अरब अमीरात की नागरिकता प्राप्त की है। जयशंकर ने उन 135 देशों की सूची भी

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खिलाफ सुनवाई के लिए तैयार हुआ सुप्रीम कोर्ट, याचिका में साजिश का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदाणी समूह और हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के मामले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया। याचिका में कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। सुको ने रिपोर्ट को चुनौती देती याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि विदेशी फर्म ने साजिश रची थी, जिससे निवेशकों को नुकसान हुआ। इस रिपोर्ट को लेकर भारत में सड़क से लेकर संसद तक चर्चाओं का दौर जारी है। शीर्ष न्यायालय शुक्रवार को याचिकाओं पर सुनवाई करने जा रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के खिलाफ एड्वोकेट एमएल शर्मा और विशाल तिवारी की तरफ से दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि हिंडनबर्ग ने अडानी स्टक्स की शर्ट सेलिंग की साजिश रची है।

अयोध्या-काशी के मुफ्त दर्शन कराएगी भाजपा, क्या यह हीरा दिलाएगा पार्टी को जीत!

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी कर दिया। इस संकल्प पत्र में पार्टी ने चुनाव जीतने के बाद बुजुर्ग लोगों को अयोध्या-काशी की धार्मिक यात्रा के लिए आर्थिक मदद देने का आकर्षक वादा किया है, तो कलेज जाने वाली लड़कियों को मुफ्त स्मार्टफोन और स्कूटी देने का वादा कर उन्हें लुभाने की कोशिश की है। किसानों की सम्मान निधि में केंद्र की मदद के अलावा दो हजार रुपये की अतिरिक्त मदद और गरीबों को भूमि देने का वादा कर उन्हें अपने साथ लाने की कोशिश की गई है। पार्टी को उम्मीद है कि वह अपने कार्यों और इन योजनाओं के कारण सत्ता में लौट सकेगी।

जेपी नड्डा ने दावा किया कि पांच साल पहले पार्टी ने पूर्वोत्तर में विकास का नया युग प्रारंभ किया है, जिसके कारण इस क्षेत्र में विकास के एक नए युग की

शुरुआत हुई है। इसके कारण पूरे क्षेत्र से आंतरिक अशांति को समाप्त करने में मदद मिली है, तो युवाओं-महिलाओं को रोजगार देने का अवसर मिला है। नड्डा ने कहा कि भाजपा ने इस क्षेत्र को हीरा (हाइवे, इंटरनेट, रोड और एयरवेज) दिया जिसके कारण इस क्षेत्र के विकास के भी पंख लग गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी रेवड़ियों से राजनीतिक दलों को बाज आने की सलाह देते रहे हैं, लेकिन त्रिपुरा में जीत हासिल करने के लिए कई ऐसी योजनाओं को लाने का वादा किया है, जिसे राजनीतिक विशेषज्ञ चुनावी रेवड़ियों के रूप में देख रहे हैं। पार्टी ने चुनाव जीतने पर हर गरीब परिवार को हर साल दो गैस सिलेंडर मुफ्त देने का वादा किया है। कलेज जाने वाली छात्राओं को स्मार्टफोन और स्कूटी देने और बेटी पैदा होने पर 50 हजार रुपये का बन्ड देने की घोषणा की गई है।

भूमिहीन नागरिकों को पट्टे पर भूमि देने, किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के 6000 के साथ अतिरिक्त दो हजार रुपये और पांच-पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराने वाली आकर्षक योजनाओं की घोषणा भी की गई है। भूमिहीन किसानों को हर साल तीन हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा भी गरीबों को आकर्षित कर सकती है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत अब 10 लाख रुपये तक का इलाज कराने और नए मेडिकल कलेज खोलने की घोषणा और 50 हजार करोड़ का निवेश लाकर त्रिपुरा की तस्वीर बदलने की बात भी संकल्प पत्र में कही गई है। वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या दर्शन के लिए आर्थिक सहायता भी भाजपा की आकर्षक घोषणाएं हैं, जिन पर मतदान प्रभावित हो सकता है।

भारतीय न्यायपालिका में कोई आरक्षण नीति नहीं: रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में न्यायपालिका में आरक्षण पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वर्तमान में भारतीय न्यायपालिका में कोई आरक्षण नीति नहीं है। बावजूद इसके उन्होंने कलेजियम से उन लोगों को शामिल करने के लिए कहा, जिनका सिस्टम में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान, डीएमके नेता तिरुचि शिवा ने जजों की नियुक्ति में आरक्षण नीति शुरू करने की संभावना पर सरकार विचार करेगी या नहीं, इससे संबंधित मामला उठाया था। रिजिजू ने कहा, मौजूदा नीतियों और प्रावधानों के अनुसार, भारतीय न्यायपालिका में कोई आरक्षण नहीं है। मंत्री ने कहा, मैंने सभी न्यायाधीशों और विशेष रूप से कलेजियम के सदस्यों को याद दिलाया है कि वे पिछड़े समुदायों, महिलाओं और अन्य श्रेणियों के सदस्यों को शामिल करने के लिए नामों की सिफारिश करते समय इसे ध्यान में रखें, जिनका भारतीय न्यायपालिका में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। टीएमसी सदस्य जवाहर सरकार ने न्यायपालिका के साथ मतभेदों और वर्तमान में खाली पड़े उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के 127 प्रस्तावों पर मंत्री से सवाल किया। सरकार ने पूछा, इन प्रस्तावों पर कब विचार किया जाएगा। रिजिजू ने जवाब दिया, विभिन्न उच्च न्यायालयों में 210 रिक्तियां हैं।

बीजेपी ने लोकसभा सांसदों को जारी किया व्हिप, कहा- 13 फरवरी तक मौजूद रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने लोक सभा में अपने सभी सांसदों को सोमवार यानि 13 फरवरी तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। भाजपा द्वारा जारी किए गए इस तीन लाइन के व्हिप में पार्टी ने लोक सभा के अपने सभी सांसदों को बजट सत्र के पहले चरण के बचे हुए दिनों यानी 13 फरवरी तक सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। दरअसल, लोक सभा में अभी आम बजट 2023-2024 पर चर्चा चल रही है और इसलिए भाजपा यह चाहती है कि वो पूरी ताकत के साथ चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहे। बुधवार को सदन में बजट पर चल रही चर्चा के दौरान भाजपा और सरकार के लिए एक असहज स्थिति उत्पन्न हो गई थी जब सदन में कोरम पूरा नहीं हो पाने के कारण सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा था।

राज्यसभा में पीएम मोदी की विपक्ष को ललकार

झूठे और मनगढ़ंत आरोपों की परवाह नहीं

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में 140 करोड़ देशवासियों के भरोसे के रक्षा कवच का ऐलान करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में पूरे विपक्ष को ललकारा। लगभग पूरे भाषण के दौरान विपक्ष के शोर और नारों को परोक्ष रूप से उनकी बौखलाहट करार देते हुए कहा- पूरा देश देख रहा है कि एक अकेला कितनों पर भारी पड़ रहा है।

कांग्रेस और गांधी परिवार पर जोरदार हमला बोलते हुए उन्होंने सत्ता में रहते हुए किये करतूतों को गिनाया और साथ ही कांग्रेस के साथ विपक्ष दलों को उसकी याद भी दिलाई। उन्होंने तात्कालिक लाभ के लिए विपक्ष शासित कुछ राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम जैसी लोकलुभावन योजनाओं को अनर्थनीति बताते हुए इसे पूरे देश की आर्थिक सेहत के खतरनाक बताया और इससे बचने का सुझाव दिया।

लोकसभा की तरह ही राज्यसभा में भी विपक्ष की ओर से मोदी पर आरोप ही ज्यादा लगाए गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले आत्मविश्वास से भरे प्रधानमंत्री ने साफ किया कि देश के लिए अपना जीवन खपा देने के बाद उन्हें विपक्ष के झूठे और मनगढ़ंत आरोपों की परवाह नहीं है। 140 करोड़ देशवासी 2047 में विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ उनके साथ है।

संविधान के संघीय ढांचे की दुहाई देने वाले और सरकार पर हमले में कांग्रेस के साथ खड़े क्षेत्रीय विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री ने बताया कि किस तरह से आजाद भारत में उनकी चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया गया था। राज्यों के साथ भेदभाव के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस के शासन काल में किस तरह से 90 बार अनुच्छेद 356 का प्रयोग कर चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया गया। इनमें 50 बार अकेले इंदिरा गांधी के समय किया गया।

उन्होंने सदन में बैठे शरद पवार को 1982 में उनकी सरकार गिराये जाने के साथ ही वामपंथी दलों को केरल में नेहरू के कार्यकाल में पहली चुनी हुई सरकार गिराने की याद दिलाई। इसके साथ ही डीएमके और बीआरएस को बताया कि किस तरह से एमजीआर व करुणानिधि और एनटी रामराव की सरकार गिरा दी गई थी।

राहुल गांधी की ओर से लगातार निजी आक्षेपों को झेल रहे प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी परिवार को भी निशाने पर लिया। प्रधानमंत्री ने कहा- श्श्यह देश किसी एक परिवार की जागीर नहीं है।श्श उन्होंने नेहरू सरनेम से परहेज करने को लेकर भी गांधी परिवार पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि देश में 600 से अधिक योजनाओं के नाम नेहरू और उनके परिवार वालों के नाम पर हैं, लेकिन फिर भी उनके परिवार का कोई व्यक्ति उनका सरनेम नहीं लगाता है।

उन्होंने पूछा कि उनकी पीढ़ी के व्यक्ति नेहरू सरनेम रखने से क्यों शर्मिंद्गी है ? उन्होंने बताया कि किस तरह से उनकी सरकार ने परिवार तक सीमित नामकरण को देश के गौरव और शौर्य के साथ जोड़ने का काम किया है। इस सिलसिले में उन्होंने खेल रत्न पुरस्कार को मेजर ध्यानचंद के नाम करने और अंडमान निकोबार के द्वीपों के नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस और परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तात्कालिक चुनावी लाभ के लिए राज्य और देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिशों के प्रति विपक्षी नेताओं को आगाह किया। पुरानी पेंशन स्कीम व अन्य लोकलुभावन योजनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि यह अनर्थ नीति है। यह देश के बच्चों का भविष्य बर्बाद कर देगा।इस प्रवृति पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री ने सभी विपक्षी दलों से अपनी-अपनी राज्य सरकारों से इससे बचने की सलाह देने का अनुरोध किया। श्रीलंका और पाकिस्तान की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि कर्ज लेकर लोकलुभावन योजनाएं चलाने का परिणाम हम पड़ोसी देशों में देख रहे हैं। इसीलिए देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र और राज्य दोनों को आर्थिक अनुशासन का पालन करना होगा।

ऑटो एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

ऋषिकेश। देवभूमि ऋषिकेश ऑटो रिक्शा एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने गुरुवार को शपथ ली। पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि ऑटो मालिक और चालकों के हित में कार्य करेंगे। गुरुवार को नगर निगम ऋषिकेश के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा किसान मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेशाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह पुंडीर ने ऑटो एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष बेचन गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज जाटव, सचिव ऋषि यादव, कोषाध्यक्ष नवीन जैन और सह सचिव मुकेश कुमार को शपथ दिलायी।

साथ ही अतिरिक्त कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में किशनपाल, कार्यालय अध्यक्ष कमल ममगाईं, सदस्य विनोद वर्मा, सुनील जाटव, बाबूराम जाटव, मोहित सैनी, उपेंद्र रमोला, अमित, प्रदीप कुमार राजभर, भारत भारद्वाज, रिंकू जाटव ने भी शपथ ली।

मुख्य अतिथि जोगेंद्र सिंह पुंडीर ने कहा कि भारत में इस बार जी–20 देशों का सम्मेलन हो रहा है। इसमें देवभूमि उत्तराखंड से ऋषिकेश शहर को चुना गया है। बहुत से देशों के प्रतिनिधि ऋषिकेश आएंगे इसके लिए परिवहन व्यवस्था बहुत मजबूत होनी चाहिए। ऑटो रिक्शा ऋषिकेश के परिवहन व्यवस्था की रीढ़ है।

मौके पर एसोसिएशन संरक्षक आशुतोष शर्मा, सुभाष शर्मा, महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट, पूर्व राज्य मंत्री रविंद्र कटारिया, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर राय रावत, मदन मोहन शर्मा, मनीष डिमरी, जतिन जाटव, विपिन शर्मा, सुधीर पंडित, पवन शर्मा, राजेंद्र पाल, राजीव कालरा, विनोद पोखरियाल, देवेंद्र बेलवाल, धर्मेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

लापता युवक का शव मोहम्मदपुर झाल से बरामद

रुड़की। चार दिन पूर्व लापता युवक का शव मोहम्मदपुर झाल से मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। बीते रविवार की शाम को विपिन (25) पुत्र सुरेंद्र, निवासी गुरुकुल नारसन संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। जिसके बाद विपिन के परिजनों ने उसकी काफी तलाश की थी। लेकिन विपिन का कुछ पता नहीं चल पाया था। बीते बुधवार की देर रात नारसन पुलिस को सूचना मिली कि मोहम्मदपुर पावर हाउस झाल में एक शव अटका है। सूचना पाकर नारसन पुलिस चौकी प्रभारी अपनी टीम को लेकर मौके पर पहुंचे और शव को गंगनहर से बाहर निकाला। जिसकी शिनाख्त लापता हुए विपिन के रूप में हुई। सूचना पुलिस की ओर से परिजनों को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

नई टिहरी। अडानी मामले को लेकर कांग्रेसियों ने लंबगांव में केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए एसबीआई शाखा के समक्ष धरना दिया।

इस मौके पर प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने जबरन एसबीआई और एलआईसी में जमा जनता के पैसे को अपने मित्र अडानी की कंपनियों में जबरन निवेश करवाया है।

प्रदर्शनकारियों में प्रताप सबल सिंह राणा, मान सिंह रौतेला, मुरारीलाल खंडवाल, सौरभ रावत, मनीष कुकरेती, किशोर मन्दरवाल, विवेक गुसाईं, शूरवीर सिंह भंडारी, राहुल गैरोला, अनूप रांगड़, ज्योत सिंह नेगी, रेवत सिंह रावत, शिव सिंह पोखरियाल, रमेश राणा, ज्ञान सिंह रावत, महेश पैन्यूली, वीरेंद्र बर्वाण, अंकित रावत, सुरेंद्र पवार, कुंवर सिंह पवार, शूरवीर सिंह चौहान, हेमराज रावत, देव सिंह रावत, मोहन सिंह नेगी, चंद्रमणि जोशी, राकेश थलवाल, जय सिंह चौहान, प्रवीण पंवार ,पूरनलाल, सोहन सिंह रागढ़ ,सुंदरलाल आर्य,ग्रीश राणा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

विहिप ने किया रुद्रप्रयाग में प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। गुप्तकाशी में विवादित मांस मिलने के विरोध में मुख्यालय में भी विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। साथ ही घटना की निंदा की। कहा कि देवभूमि में बाहरी क्षेत्रों के लोग यहां की शांत वादियों में आकर देवभूमि के धार्मिक महत्व को प्रभावित कर रहे हैं। कहा कि इस तरह की घटना को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक ओर गांवों में बिना रोकटोक फेरीवाले पहुंच रहे हैं वहीं बड़ी संख्या में बाहरी लोगों की बढ़ती गतिविधियां पहाड़ के लिए खतरा बन रही है। यूपी के क्षेत्रों से वाहनों में मांस देवभूमि लाया जा रहा है। इस तरह की घटनाओं की जितनी निंदा की जाए कम है। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन में कहा कि मंगलवार को मीट की दुकानें पूरी तरह बंद की जाए। गुप्तकाशी की घटना के आरोपियों को कड़ी सजा दी जाए।

विवादित मांस की एफएसएल जांच की जाए। बाहरी लोगों को पूर्णरूप से सत्यापन किया जाए। मीट विक्रेता के लिए स्लाटर हाउस का निर्माण किया जाए। मीट के लिए आवंटित दुकानों में केवल मीट विक्रेता ही रहें। इस मौके पर प्रचार प्रसार प्रमुख राजपाल सिंह नेगी, जिला उपाध्यक्ष भरत रावत, राजेश सेमवाल, अवधेश कप्रवान, विमल गोस्वामी, रौशनी रौथाण आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के इशारे पर छात्रों पर किया गया लाठीजार्च : सपा

रुड़की। सपा के प्रदेश महासचिव समीर आलम ने देहरादून में युवाओं पर लाठीचार्ज को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बेकसूर युवाओं पर सरकार के इशारे पर लाठीचार्ज किया गया, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में एक के बाद एक पेपर लीक कांड को लेकर युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कहा कि युवा अपने हक के लिए देहरादून में धरना–प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन सरकार ने उनकी एक न सुनी और लाठीचार्ज करवा दिया। कहा कि यद दिन उत्तराखंड के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों ने क्या ऐसा क्या मांग लिया था जो सरकार की ओर से उन पर लाठीचार्ज कराने की नौबत आ गई।

विधायक प्रीतम ने किया छाम थाने का शुभारंभ

नई टिहरी। प्रदेश सरकार के राजस्व पुलिस क्षेत्रों को रेगुलर पुलिस को सौंपने के क्रम में छाम क्षेत्र को रेगुलर पुलिस को सौंपते हुए छाम थाने का शुभारंभ पूजा–अर्चना के साथ धनोल्टी विधायक प्रीतम पंवार ने किया। छाम जनपद टिहरी गढ़वाल का 12वां थाना बन गया है।

इस मौके पर विधायक पंवार ने कहा कि थाना खुलने से जनता की समस्याओं का त्वरित गति से निदान होगा। पुलिस भी मित्र पुलिस की तरह लोगों की सुख–दुख की साथी बनेगी।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस जनता की भावनाओं के अनुरूप काम करेगी। पुलिस अपराध पर नियंत्रण के लिए साइबर क्राइम, नशे व महिला अपराध को लेकर पुलिस जागरूकता कार्यक्रम भी चलायेगी। नये थाने छाम के एसएचओ प्रदीप पन्त ने कहा कि पुलिस से जनता बिल्कुल भी संकोच न करे। पुलिस पूरी तत्परता से जनता के साथ मिलकर काम करेगी और अपराधों के नियंत्रण को प्रभावी कार्यवाही करेगी। इस मौके पर सीओ अस्मिता, ब्लाक प्रमुख प्रभा विष्ट, जयवीर सिंह रावत, ऋषि भट्ट, सुमेरी विष्ट, सुमेर सिंह पंवार, पीआरओ एसएसपी संजय मिश्रा, एसएसआई दिनेश बल्लभ, एसआई शांति प्रसाद डिमरी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

सीएचसी में गर्भवतियों की मुफ्त जांच की

रुड़की। लक्सर सीएचसी में गुरुवार को केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत शिविर लगाया गया। सीएचसी प्रभारी डॉ. नलिंद असवाल ने शिविर की शुरुआत की। कहा कि जच्चा और बच्चा दोनों की समय से सारी जरूरी जांच होनी चाहिए। जांच से जहां प्रसव कराने में काफी आसानी रहती है, वहीं जांच न होने पर जच्चा और बच्चा दोनों की जान का खतरा रहता है। पूर्व सीएमओ रही डॉ. सुषमा गुप्ता ने गर्भवती महिलाओं और प्रसव होने पर बच्चे की जांच और टीकाकरण के बारे में समझाया। इसके बाद शिविर में लक्सर नगर और देहात से आई कुल 29 महिलाओं की जांच की गई। शिविर में सीएचसी के आशीष शर्मा, देवेंद्र सिंह रावत प्रिया और इंदू का सहयोग रहा।

किसान दलहन तिलहन की फसलों का बीमा जरुर कराएं

रुड़की। तहसील प्रशासन की ओर से सेठपुर गांव में आयोजित शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के बारे में बताया। बाद में एसडीएम ने लोगों की समस्याएं और शिकायतें भी सुनी। एसडीएम गोपालराम बिनवाल ने शिविर की शुरुआत कर कहा कि आमजन लोगों के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। जो विभाग इन्हें चला रहे हैं, वे देहात में जाकर लोगों को इनकी जानकारी दें, जिससे हर पात्र व्यक्ति को इनका लाभ मिले। तहसीलदार चंद्रशेखर वशिष्ठ ने फसल बीमा योजना के फायदे गिनाए और किसानों को फसल का बीमा जरूर कराने का सुझाव दिया। डॉ. विरेंद्र सिंह ने बताया कि दुधारू पशु खरीदने पर सरकार सब्सिडी देती है। इससे लोग दूध का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। उन्होंने पशुओं का बीमा कराने की अपील भी की। समय सिंह ने गन्ने की फसल में लगने वाले प्रमुख कीट और रोग की जानकारी दी। साथ ही इनके उपचार के बारे में भी बताया।

ट्रांसफार्मर से तेल और कीमती सामान चोरी

रुड़की। रहमतपुर गांव में चोरों ने ट्रांसफार्मर से तेल और कीमती सामान चोरी कर लिया हैं। जेई राहुल गिरी ने मामले में पुलिस को तहरीर दी है। कलियर क्षेत्र के रहमतपुर गांव में लगा 250 केवी का ट्रांसफार्मर बुधवार की रात चोरों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। चोरों ने ट्रांसफार्मर से तेल और कीमती सामान चोरी कर लिया। रात में बिजली जाने से गांव में अंधेरा छा गया। सुबह होने पर लोगों ने देखा तो ट्रांसफार्मर नीचे पड़ा है और उसके अंदर का तेल और सामान गायब है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर का सामान चोरी होने से गांव से बिजली आपूर्ति बाधित रही। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ऊर्जा निगम के जेई को दी। जेई राहुल गिरी ने मौके पर जाकर मौका मुआयना किया। जेई राहुल गिरी ने बताया कि ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह ट्रांसफार्मर का सामान चोरी होने की सूचना दी थी।

गुप्तकाशी विवादित मांस को लेकर हुआ बवाल, थाने का घेराव

रुद्रप्रयाग। गुप्तकाशी में विवादित मांस को लेकर जमकर बवाल हुआ। स्थानीय व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता ने प्रशासन के खिलाफ खूब नारेबाजी की। बुधवार देर सांय स्थानीय लोगों को जानकारी मिली कि गुप्तकाशी में मांस विक्रेता द्वारा वाहन में विवादित मांस लाया गया। जिसकी शिकायत पर स्थानीय पुलिस द्वारा रात को ही मांस को कब्जे में लेकर इसे जमीन में दफना दिया गया। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह बकरे का सड़ा हुआ मांस है और विवादित मांस जैसा कुछ भी नहीं है। इसका सैंपल लेकर जांच की जाएगी। मामले में पुलिस ने दो दुकानें सीज कर दी हैं जबकि ट्रांसपोर्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मांस मामले को लेकर गुरुवार सुबह स्थानीय व्यापारी और जनप्रतिनिधियों ने जनता के साथ गुप्तकाशी थाने का घेराव किया। साथ ही मांस विक्रेता पर कार्रवाई नहीं होने पर आक्रोश व्यक्त किया। व्यापारियों ने विरोध में गुप्तकाशी और ऊखीमठ बाजार को तीन घंटे तक बंद किया किया। थाने में बढ़ते बवाल को देखते हुए एसडीएम ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा गुप्तकाशी पहुंचे। उन्होंने विरोध कर रहे व्यापारियों और जनता से वार्ता की। लोगों ने स्थानीय पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। मौके पर मौजूद प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष सुभाष रावत ने कहा कि केदारघाटी जैसी पवित्र भूमि में मांस की सभी दुकानें बंद होनी चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य गणेश तिवारी, ब्लॉक प्रमुख श्वेता पांडेय, व्यापार मंडल अध्यक्ष गुप्तकाशी मदन सिंह रावत, व्यापार मंडल अध्यक्ष ऊखीमठ राजीव भट्ट, केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, कनिष्ठ प्रमुख शैलेन्द्र कोटवाल, विपिन सेमवाल, राय सिंह रावत, कुंवरी बर्त्वाल, ममता नौटियाल, भगत कोटवाल, ग्राम प्रधान गुप्तकाशी प्रेम सिंह नेगी आदि ने कहा कि केदारघाटी में मांस की दुकानों का संचालन बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

मेट कर्मचारी संघ के कुंदन अध्यक्ष, बलोदी सचिव बने

विकासनगर। मेट कर्मचारी संघ सिंचाई विभाग शाखा डाकपत्थर का अधिवेशन गुरुवार को मनोरंजन सदन तृतीय में संपन्न हुआ। अधिवेशन के प्रथम सत्र में कर्मचारियों ने विभागीय बिंदुओं पर चर्चा की, जबकि दूसरे सत्र में शाखा कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न कराया गया। जिसमें कुंदन सिंह पंवार को शाखा अध्यक्ष चुना गया। संघ के प्रांतीय महामंत्री ओम प्रकाश भट्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुए अधिवेशन में कर्मचारियों ने अपनी विभागीय समस्याओं पर चर्चा की।

अधिवेशन में सबसे ज्यादा पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा छाया रहा। प्रांतीय महामंत्री ने कहा कि सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को बंद कर कर्मचारियों के आर्थिक हितों पर कुठाराघात किया है।

प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर भ्रष्टाचार और घोटालों का बोलबालाः मनीष खंडूड़ी

ऋषिकेश। कांग्रेस की हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा गुरुवार को नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के ढालवाला मुनिकीरेती से शुरू हुई। इस दौरान यात्रा संयोजक मनीष खंडूड़ी ने भाजपा की प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। आरोप लगाया कि राज्य में बेरोजगारी चरम पर है।

भ्रष्टाचार और घोटालों का बोलबाला है। गुरुवार को ढालवाला मुनिकीरेती में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के प्रभारी अजय कुमार, गढ़वाल लोकसभा प्रभारी गणेश गोदियाल, यात्रा संयोजक मनीष खंडूड़ी, देवप्रयाग जिला प्रभारी दर्शन लाल एवं जिला अध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल के नेतृत्व में यात्रा का शुभारंभ किया गया। बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को पूरे देश की जनता से अपार जन समर्थन मिला है। पूरे देश में 26 जनवरी से शुरू हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 मार्च तक चलेगा। इसके तहत 10 लाख पोलिंग सेंटर से लेकर ढाई लाख ग्राम पंचायत और छह लाख से अधिक गांवों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। ऐसी सरकार को सत्ता से उखाड़ने का समय आ गया है। खंडूड़ी ने आरोप लगाया कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी के हत्यारों को बचाने के लिए सरकार प्रयासरत है। अडानी प्रकरण को लेकर भी उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। मौके पर पूर्व राज्यमंत्री रमेश उनियाल, जगमोहन भंडारी, वीरेंद्र कंडारी, जिलाध्यक्ष आशीष रणाकोटी, अंशुल रावत, राजेंद्र राणा, दिनेश व्यास, दिनेश सकलानी, दिनेश भट्ट, अजय रमोला, विनोद सकलानी, सुनील आर्य, सचिन सेलवान, विजेंद्र राणा, विक्की प्रजापति, राजपाल नेगी, विक्रम कैंतुरा, दयाल भंडारी, सुरेंद्र भंडारी, अनीता कोटियाल, सरस्वती जोशी, वंदना नेगी, सर्वेंद्र कंडियाल, शिवम भट्ट, दलवीर रावत, विक्की चौहान, लेखराज भंडारी, प्रमोद आदि शामिल रहे।

संगठन की प्रत्येक जिम्मेदारी अनुशासन में रहकर पूरी करेंः राणा

ऋषिकेश। भाजपा के ऋषिकेश जिले की दो दिवसीय जिला कार्यसमिति की बैठक में गुरुवार को पीएम मोदी के मन की बात से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने, आगामी निकाय और लोकसभा चुनाव की तैयारी जैसे मुद्दों पर मंथन किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह राणा ने कार्यकर्ताओं को संगठन की प्रत्येक जिम्मेदारी को अनुशासन में रहकर पूरा करने की नसीहत दी। गुरुवार दोपहर बाद भाजपा जिला ऋषिकेश की पहली जिला कार्यसमिति का शुभारंभ पार्टी जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह राणा ने किया। बैठक में संगठन की कार्यसमिति को किस प्रकार सुचारु और व्यवस्थित रूप से चलाना है, इस विषय पर व्यापक चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को संगठन की नीति रीति के बारे में विस्तार से बताया गया। जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह राणा ने कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह पद की गरिमा को बनाते हुए दी हुई जिम्मेदारी का निर्वहन सुचारु रूप से करें। साथ ही आपसी मनमुटाव को दरकिनार कर संगठन की कार्यशैली और प्रत्येक जिम्मेदारी को अनुशासन में रहकर पूरा करें। भाजपा जिला सह प्रभारी नलिन भट्ट ने आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा 365 दिन काम करने वाली पार्टी है। इसके सभी कार्यकर्ता एक जिम्मेदार नागरिक हैं और यह पार्टी ही प्रत्येक कार्यकर्ता की पहचान है। लिहाजा पार्टी ने आपको संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसका अनुशासन में रहते हुए पालन करना है। मंच संचालन महामंत्री राजेंद्र तडियाल और दीपक धमीज़ा ने किया। मौक पर हिमांशु संगतानी, राजकुमार राज, मनोज ध्यानी, पंकज शर्मा, प्रतीक कालिया, दिनेश सजवाण, पुष्पा ध्यानी, गणेश सिंह रावत, उषा कोठारी, नीलम काला चमोली, कविता शाह, दीवान सिंह, नरेंद्र सिंह नेगी, दिनेश सती, राजेश जुगलान, शिवानी भट्ट, नरेंद्र रावत, विनय कंडवाल, दिनेश पयाल, अरुण शर्मा, रोहित भारद्वाज, देव व्रत शर्मा, पुष्पा प्रजापति, शिव कुमार गौतम आदि उपस्थित रहे।

छात्रों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया

रुद्रप्रयाग। पहाड़ के युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक होकर अपने भविष्य को संवारना होगा। अनेक तरह से यहां के युवाओं को नशे की गर्त में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। नशे से दूर रहकर ही जीवन में आगे बढ़कर सफलता हासिल की जा सकती है। यह बात मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कही। मुख्यालय स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी में छात्र–छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम के दौरान जोशी ने कहा कि समिति का प्रयास उत्तराखंड के स्कूली बच्चों एवं युवाओं में राष्ट्रनिर्माण को लेकर जोश भर रही है। युवाओं में जोश भरने का के लिए मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड अनेक जगहों पर जाकर स्कूली छात्र–छात्राओं के साथ ही समाज को जागरूक कर रही है। एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि नशे के खिलाफ जन–जागरूकता अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए निरंतर पहाड़ के अनेक कोनों में जा रही है। गुरुवार को श्रीनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, श्रीकोट व रुद्रप्रयाग स्थित माई गोविंद गिरी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी में नशे के प्रति स्कूली छात्रों को जागरूक किया गया। छात्र–छात्राओं से युवा संवाद के जरिए नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक से कमजोर तो करता ही है साथ राष्ट्रनिर्माण में भी बाधक बनता है। जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर बेलनी के छात्रों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

जनसमस्याओं की अनदेखी पर मेयर नाराज अधिकारियों को लगाई फटकार

ऋषिकेश। नगर निगम ऋषिकेश क्षेत्र में जनसमस्याओं की अनदेखी की शिकायत पर मेयर अनिता ममगाईं ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगायी । साथ ही आमजन से जुड़े कार्यों में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। गुरुवार को नगर निगम कार्यालय में मेयर अनिता ममगाईं ने निगम अधिकारियों की आपातकालीन बैठक बुलाई। इसमें जनसमस्याओं के समाधान में हो रही कोताही पर उन्होंने नाराजगी जतायी। मेयर ने तल्ख लहजे में कहा कि नगर निगम के विभिन्न विभागों में फरियादी समस्या लेकर आ रहे हैं, लेकिन उन्हें लटकाया जा रहा है। जनसमस्याओं पर लेट लतीफी की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। जनता की समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लेकर त्वरित निस्तारण की आदत डाल लें। इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सफाई, सीवर, स्ट्रीट लाइट, टैक्स, पानी, जलभराव, जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र आदि की शिकायतों का समाधान त्वरित गति से करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही हिदायत दी कि यदि इसमें लापरवाही की गई तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा ब्रांड की 13 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ कार सवार गिरफ्तार

विकासनगर। हरियाणा से पहाड़ी क्षेत्रों में तस्करी के लिए लाई जा रही हरियाणा ब्रांड की 13 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ धर्मावाला पुलिस ने एक कार सवार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आबकारी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर दिया है।

आरोपी की कार को भी पुलिस ने सीज कर दिया है। गुरुवार तडके धर्मावाला पुलिस देहरादून शिमला बाईपास रोड पर धर्मावाला बैरियर पर बाहरी प्रदेशों से आने वाले वाहनों की तलाशी कर रही थी। तभी कार हिमाचल की ओर से आ रही थी। जिसको रोककर पुलिस ने उसकी तलाशी ली।

डाकपत्थर कालेज के छात्रों ने यमुना किनारे स्वच्छता अभियान चलाया

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में नमामि गंगे अभियान के तहत तीन दिवसीय यमुना स्वच्छता, गंगा शपथ और जन जागरूकता रैली निकाली गई। नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद बड़ोनी ने छात्र–छात्राओं जैव विविधता और जल संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जैव विविधता को बचाए रखना जरूरी है। जैव विविधता से ही जीव जंतुओं की रक्षा होती है। इसके साथ ही पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए अलग अलग प्रजाति की वनस्पतियां जरूरी हैं। बताया कि जल संरक्षण भविष्य के लिए जरूरी है। जल संरक्षण के साथ ही जल की स्वच्छता और निर्मलता भी आवश्यक है। कहा कि निर्मल, स्वच्छ जल धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए जरूरी है। उन्होंने सभी छात्र–छात्राओं को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई, जिसके बाद छात्रों ने यमुना तट पर स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही जागरूकता रैली निकाली।

संभलकर चले शहर की सड़कों पर, क्षतिग्रस्त चैंबर दे रहे हादसों को न्योता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यदि आप शहर के मुख्य मार्गों पर आवाजाही कर रहे हैं तो जरा सावधान हो जाएं। दरअसल, विभिन्न मुख्य मार्गों के बीच में क्षतिग्रस्त चैंबर कब आपकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं, कहा नहीं जा सकता। शिकायत के बाद भी नगर निगम चैंबर मरम्मत की सुध नहीं ले रहा है। जबकि, आए दिन राहगीर क्षतिग्रस्त चैंबरों की चपेट में आने से चोटिल हो रहे हैं।

कोटद्वार के झंडाचौक के समीप सड़क पर क्षतिग्रस्त पड़ा चैंबर

नगर निगम गठन के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर विकास की उम्मीद थी। लेकिन, नगर निगम शहर में क्षतिग्रस्त चैंबरों की मरम्मत भी नहीं करवा पा रहा है। नतीजा मुख्य मार्गों के साथ ही विभिन्न मार्गों में क्षतिग्रस्त चैंबर राहगीरों को चोटिल कर रहे हैं।

निगम की सबसे बड़ी लापरवाही झंडाचौक चौराहे में मानपुर को जाने वाले रास्ते में दिखाई दे रही है। उक्त मार्ग के बीच में लोहे का एक बड़ा चैंबर पिछले पांच दिन से क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है। इस मार्ग से शहर में सबसे अधिक वाहनों की आवाजाही उक्त मार्ग से ही होती है।

मंगलवा रात एक बाइक सवार चैंबर की चपेट में आने से चोटिल हो गया था। यही स्थिति गाड़ीघाट तिराहे के समीप भी बनी हुई हैं। जहां निगम की ओर से दो माह पूर्व लगाया गया लोहे का चैंबर दोबारा से क्षतिग्रस्त हो गया है। लकड़ीपड़ाव निवासी शहजाद, मनोज सिंह ने बताया कि गाड़ीघाट व लकड़ीपड़ाव क्षेत्र के अधिकांश मार्गों पर क्षतिग्रस्त चैंबर आसानी से देखने जा सकते हैं। उक्त चैंबरों में सबसे अधिक दुर्घटनाएं रात के अंधेरे में हो रही है।

नेत्र शिविर का 80 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हंस फाउंडेशन की ओर से रथुवाढाब में आयोजित नेत्र शिविर का 80 ग्रामीणों ने लाभ उठाया। इस दौरान मरीजों को निःशुल्क दवा व चश्में वितरित किए है।

रथुवाढाब के सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को आंखों की बेहतर देखरेख की जानकारी दी। कहा कि आंखों से ही हम पूरे संसार को देखते हुए। इसलिए आंखों की हिफाजत गंभीरता से की जानी चाहिए। शिविर प्रबंधक मनीष बिष्ट ने बताया कि 26 ग्रामीणों को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए सतपुली अस्पताल भेजा गया है, जहां मरीजों का निःशुल्क आपरेशन होगा। शिविर में चिलाऊं, कुमाल्डी, कर्तिया, कालिंको, धामधार, बीरोबाड़ी, रथुवाढ़ाब, झर्त, ढिकोलिया, बंजादेवी के ग्रामीणों ने लाभ उठाया। इस मौके पर नेत्र चिकित्सक डा.प्रदीप रावत, विक्रम सिंह, अतुल सिंह, बृजमोहन नेगी, महेंद्र सिंह नेगी, अनिल कुमार ध्यानी आदि मौजूद रहे।

अपराध को जन्म देता है नशा, युवा रहे दूर

राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार में आयोजित की गई कार्यशाला

कोटद्वार इंटर कालेज में नशे के खिलाफ आयोजित कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एंटी ह्यूमन ट्रैफिंग यूनिट की ओर से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नशा अपराध को जन्म देता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। कहा कि यदि कहीं भी नशे का अवैध कारोबार होता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए एनएचटीयू के अपर उप निरीक्षक कृपाल सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसके खिलाफ हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। कहा कि अधिकांश मामलों में नशा करने वाला व्यक्ति ही आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ एकजुट होकर अभियान चलाने की भी अपील की। कहा कि यदि आपके आसपास कोई भी व्यक्ति अवैध नशे का कारोबार करता है तो इसकी सूचना पुलिस को दें। पुलिस जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखेगी। कार्यशाला में युवाओं को साइबर अपराध के प्रति भी जागरूक किया गया। कहा कि हमें किसी भी अज्ञात व्यक्ति को फोन पर अपने बैंक से संबंधित जानकारी नहीं देनी चाहिए। किसी भी तरह की साइबर ठगी होने पर तुरंत पुलिस से शिकायत करें।

दूसरे दिन भी जारी रहा निगम का अभियान, जब्त किया सामान

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : शहर में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहा नगर निगम का अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। नगर निगम ने मुख्य मार्गों पर अभियान चलाते हुए अतिक्रमणकारियों का सामान जब्त किया। इस दौरान पॉलीथिन का उपयोग न करने की भी चेतावनी दी गई।

कोटद्वार में अभियान के दौरान अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देती निगम की टीम ।

गुरुवार शाम निगम की ओर से अभियान की शुरूआत की गई। नगर निगम ने बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, गोखले मार्ग, स्टेशन रोड, पटेल मार्ग सहित अन्य स्थानों पर पहुंचकर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान चलाया।

सफाई निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि शहर में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नगर निगम ने कुछ दिन पूर्व ही व्यापारी व रेहड़ी–ठेली वालों को अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी थी। बावजूद कुछ व्यापारी चेतावनी को अनदेखा कर रहे हैं। कहा कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान जारी रहेगा। अभियान के पालीथिन का उपयोग करने वाले दस से अधिक व्यापारियों के चालान भी काटे गए।

श्रीनगर-खिर्सू पर्यटन सर्किट के लिए साढ़े चार करोड़ की वित्तीय स्वीकृति मिली : रावत

जयन्त प्रतिनिधि

श्रीनगर गढ़वाल : कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि धारी देवी मंदिर, कमलेश्वर महादेव मंदिर, देवलगढ़ मंदिर, खिर्सू, कंडोलिया व क्यूंकालेश्वर मंदिर पौड़ी को पर्यटन सर्किट से जोड़े जाने का शासनादेश जारी हो गया है। इसके लिए चार करोड़ 49 लाख, 85 हजार रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी दी गई है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में 1 करोड़ 79 लाख चौरानबे हजार रुपये की धनराशि भी आहरित कर दी गई है। कहा अब जल्द ही पर्यटन सर्किट से इन मंदिरों को जोड़कर विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

पर्यटन सर्किट की स्वीकृति व बजट को लेकर शासनादेश जारी होने की खबर से देवलगढ़ क्षेत्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास समिति ने प्रसन्नता व्यक्त की। समिति के अध्यक्ष व राजराजेश्वरी सिद्धपीठ के मुख्य पुजारी कुंजिकाप्रसाद उनियाल ने कहा कि नये पर्यटन सर्किट की मांग विगत छत्तीस सालों से पहले उत्तर प्रदेश सरकार और वर्ष 2000 से उत्तराखंड की प्रत्येक सरकार से की जाती रही। अब धामी सरकार में कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक धन सिंह रावत ने मांग पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही की। जिस पर ही नये पर्यटन सर्किट का शासनादेश जारी हो पाया है। उन्होंने व समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ताजबर कुमार, महासचिव उतम सिंह कैंतुरा, कोषाध्यक्ष संगीता बिष्ट, प्रधान देवलगढ़ प्रमोद उनियाल, पूर्व प्रधान शिवप्रसाद, सीता देवी आदि ने इसके कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार व्यक्त किया। (एजेंसी)

स्वयं सेवियों ने चलाया सफाई अभियान

पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई का क्यूंकालेश्वर मंदिर में 7 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वयं सेवियों ने मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान स्वयं सेवियों ने पौध रोपण करते हुए प्लास्टिक के रेपर जमा करते हुए लोगों से प्लास्टिक का उपयोग न करने को लेकर जागरूक किया।

कहा कि पॉलिथीन पर्यावरण प्रदूषण के लिए बहुत ही खतरनाक पदार्थ है। इसका प्रयोग पूर्णतया बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य स्वयं के जागरूक होने तथा औरों को जागरूक करने से ही संभव है। इस मौके पर क्यूंकालेश्वर मंदिर के प्रबंधक मुनि अभय चैतंयानंद, स्कूल के प्रधानाचार्य बीसी बहुगुणा, एनएसएस प्रभारी पार्वती ध्यानी, शिक्षा रावत, दीपेंद्र डिमरी आदि शामिल रहे।

युवाओं को बताए नशे के दुष्प्रभाव

जयन्त प्रतिनिधि

श्रीनगर गढ़वाल : मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड की ओर से 'नशे को ना, जिंदगी को हां' की थीम पर नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर वक्ताओं ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक रूप से कमजोर तो करता ही है साथ राष्ट्रनिर्माण में भी बाधक बनता है। कहा जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती।

गुरुवार को श्रीनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटरर कॉलेज श्रीकोट गंगानाली में समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने छात्र-छात्राओं से युवा संवाद के जरिए नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशा रूपी जाल में फंसाना चाहती हैं, जिससे कि वह हमारे देश के युवाओं को उनके लक्ष्य से भटकाकर देश की जड़ों को कमजोर कर सकें। उन्होंने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट की एक छात्रा ने अपने साथियों को नशे से दूर रहने की अपील की। छात्रा ने बताया कि नशे की लत ने उनके भाई को उनसे छीन लिया।

इस मौके पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट, श्रीनगर गढ़वाल के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती तथा मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की टीम से मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल, दीवान सिंह आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

छात्रों को शिक्षा में सुधार के लिए प्रेरित किया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बीजीआर परिसर में एकेडमिक बैंक क्रेडिट की जानकारी को लेकर बीएससी, बीकाम, बीए प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के संयोजक डा. लवकेश कुमार, मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप पांडे ने विस्तार से सभी छात्र-छात्राओं को एकेडिक बैंक क्रेडिट के बारे में समझाया। इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें परिसर निदेश-ाक प्रो. प्रभाकर बडोनी ने सभी छात्र-छात्राओं को शिक्षा में सुधार, खेल, राष्ट्रीय सेवा योजना, सांस्कृतिक कार्य सहित विभिन्न आयामों को बढ़ाने लिए व्यक्तित्व विकास एवं परिसर के विकास के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में वरिष्ठ शिक्षक प्रो. राकेश काला, प्रो. एमएस बिष्ट, प्रो. उमेश चंद्र गैरोला, प्रो. अनिता रुडोला, प्रो. रेहाना जैदी, प्रो. कुसुम डोबरियाल, डा. मनीष उनियाल, डा. नीलम नेगी, डा. सुनील कुमार, डा. नवीन चन्द्र, डा. नीलम नेगी, डा. ज्योत्सना सोनल, डा. सुनीता, डा. जया उनियाल, छात्र संघ अध्यक्ष अकित नौटियाल आदि शामिल थे।

सैनिकों को दी साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पुलिस की ओर से लैंसडौन में सैनिकों को साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गई। इस दौरान टीम ने जवानों से किसी भी अंजान व्यक्ति को अपने बैंक के संबंध में जानकारी नहीं देने की अपील की।

लैंसडौन थाना प्रभारी निरीक्षक हरिओम राज चौहान ने सैनिकों को साइबर अपराध की जानकारी दी।

लैंसडौन में जवानों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करती पुलिस।

कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध तेजी से बढ़ता जा रहा है। ऐसे में आमजन का जागरूक होना आवश्यक है। कहा कि फोन पर किसी भी अपरिचित को अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी न दें। कहा कि साइबर अपराधी बैक अधिकारी, बिजली का बिल भुगतान करने, ऑनलाईन जॉब ऑफर, परिचित बनकर, मोबाईल टॉवर लगाने, इंश्योरेन्स कम्पनी आदि के नाम पर साईबर अपराध करते हैं। जिस कारण कभी–कभी आमजन के साथ–साथ आर्मी जवान भी साइबर के शिकार हो जाते हैं। कहा कि अनजान व्हट्अप व फेसबुक विडियो कॉल को रिसीव न करें।

देहरादून में बेरोजगार युवाओं पर लाठी चार्ज पर भड़के छात्र संगठन

श्रीनगर गढ़वाल : देहरादून गांधी पार्क में विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज किए जाने पर श्रीनगर में छात्र संगठन भड़क उठे। विरोध स्वरूप यहां विवि गेट के समक्ष विभिन्न छात्र संगठनों से जुड़े युवाओं ने सरकार के विरोध में प्रदर्शन व नारेबाजी कर इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा पुलिस की यह गैरजिम्मेदाराना हरकत व बर्बरता से युवाओं में सरकार के खिलाफ भारी रोष है। गुरुवार को विवि गेट के समक्ष प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने कहा कि बेरोजगार संघ की ओर से यूकेपीएससी के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की निष्पक्ष जांच सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा था। लेकिन पुलिस ने बुधवार रात को युवाओं पर लाठी चार्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान बिना महिला पुलिस कर्मियों के युवतियों को पुरुष पुलिस कर्मियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। उन्होंने गिरफ्तार युवाओं को तत्काल छोड़े जाने व संघ की मांगों पर कार्यवाही की मांग की। इस मौके पर एआईडीएसओ छात्र संगठन से रेशमा पंवार, आइसा से शिवानी पांडेय, एसएफआई से कमलेश, छात्र संघ सहसचिव रंजना, उपाध्यक्ष रोबिन सिंह, कोषाध्यक्ष योगेश बिष्ट, छात्रा प्रतिनिधि मोनिका चौहान, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकित उछोली, बेरोजगार संघ के अरुण नेगी, अंकित, कुलदीप, विजेता श्रीवास्तव, पूजा भंडारी, सुमित, हिमानी आदि मौजूद रहे। संचालन कुलदीप रमोला ने किया। (एजेंसी)

ट्रस्ट ने बेसहारा लोगों को बांटे कपड़े

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते ट्रस्ट के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्य गिरधारीलाल महर्षि दयानंद ट्रस्ट के सौजन्य व समाजसेवी मीनू वाधवा व सुनीता बिष्ट के सहयोग से आर्य सगंध संस्थान मूसेपुर नजीबाबाद के अनाथ,विकलांग,मूकबधिर,बेसहारों व वृद्धों को ओढ़ने व पहनने के कपड़े के साथ ही भोजन सामग्री भेंट की गई।

समाज सेवी मीनू वाधवा ने कहा कि ट्रस्ट के सहयोग से वे अनाथ लोगों की मदद के लिए तैयार रहती हैं। सुनीता बिष्ट ने कहा कि वे निरंतर संस्थान के बेसहारों और मूक बधिर लोगों को भोजन सामग्री प्रदान करती रहती हैं। समाज सेवी सुरेंद्रलाल आर्य ने इस कार्य के लिए सभी समाज सेवियों का आभार व्यक्त किया।

शिविर 12 को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब के तत्वाधान व हिमालय अस्पताल जौलीग्रान्ट के सहयोग से 12 फरवरी रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा।क्लब के जनसंम्पर्क अधिकारी गोपाल चन्द्र बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर डिफेंस कालोनी स्थित रोटरी भवन में लगाया जायेगा। शिविर में हिमालय अस्पताल के अनुभवी व विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों द्वारा नेत्र परीक्षण किया जायेगा।

आवश्यकतानुसार नेत्र ऑपरेशन हेतु मरीजों को जौलीग्रान्ट भेजा जायेगा। उन्होंने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

शिक्षकों की मंडल स्तरीय समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाए

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल मंडल में शिक्षकों की वरिष्ठता व स्थायीकरण नहीं होने से पांच हजार से अधिक शिक्षक प्रभावित हैं। शिक्षकों ने कहा कि वर्ष 2018 से शिक्षको की वरिष्ठता तय नहीं हुई है। वर्ष 2014 से एलटी व प्रवक्ता के पदों पर नियुक्त शिक्षको का स्थायीकरण भी नहीं हो पाया है। जिससे पांच हजार से अधिक शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षको की मंडल स्तरीय समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की है।

मंडल मुख्यालय पौड़ी के शिक्षा परिसर में राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय प्रतिनिधिमंडल ने अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल महावीर बिष्ट से मुलाकात की। इस मौके पर संघ के गढ़वाल मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह सरियाल ने कहा कि मंडल स्तर पर शिक्षको की समस्याओं का समाधान लंबे समय से नहीं हो पा रहा है। जिससे शिक्षको को समय पर उन्हें सेवा का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। कहा शिक्षको की शैक्षणिक अभिवृद्धि लंबे समय से दर्ज नहीं की जा रही है। संघ ने शिक्षकों के सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण, पेपरलेस पद्धति, चयन प्रोन्नत एवं स्थायीकरण आवेदन का सरलीकरण, चक्रवार स्थानांतरण, नई नियुक्ति होने से पूर्व पात्र शिक्षकों को स्थानांतरण का लाभ, तदर्थ व समायोजित शिक्षकों को चयन प्रोन्नत वेतनमान का लाभ सहित विभिन्न मांगों के निस्तारण की मांग की। अपर निदेशक बिष्ट ने शिक्षको को मंडल स्तर पर लंबित प्रकरणों के निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा निदेशालय स्तर की मांगों के समाधान के लिए जल्द ही प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देहरादून कुलदीप कंडारी, चमोली जिला महामंत्री प्रकाश चौहान, रुद्रप्रयाग जिलाध्यक्ष नरेश भट्ट, पौड़ी जिलाध्यक्ष बलराज पंवार, उत्तरकाशी जिलाध्यक्ष अतोल महर, यशपाल राणा, एमएल शाह, कुलदीप चौहान, सपना तोमर, गीतांजली जोशी आदि मौजूद रहे।

विधायक ने नियुक्त किये विस व मंडल प्रतिनिधि

पौड़ी : विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए विधानसभा प्रतिनिधि व मंडल प्रतिनिधि नियुक्त किए है। विधायक राजकुमार पोरी ने बताया कि प्रहलाद सिंह रावत को विधानसभा प्रतिनिधि बनाया गया है। जबकि कोट ब्लाक में माणिक लाल भटट, कृष्णमोहन तड़ियाल, मनोज रावत, सुभाष रावत, दुर्गा प्रसाद खंडूड़ी, कल्जीखाल में सुभाष रावत, मनोज नैथानी, राकेश मोहन, बीरेंद्र नेगी, संतोष चंदोला, पौड़ी ग्रामीण मनोज जखमोला, पंकज डोभाल, संजय पुंडीर, अमित तोपाल, बीरबल सिंह, पौड़ी नगर में सुबोध नौटियाल, रोशन रावत, नितिन रावत को मंडल प्रतिनिधि बनाया गया है।

सुरना–रिखाड़ी सड़क के घटिया निर्माण पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

अल्मोड़ा। सुरना–रिखाड़ी के लिए पीएमजीएसवाई के तहत बन रही सड़क के घटिया डामरीकरण के विरोध में ग्रामीण मुखर हो गए हैं। गुरुवार को सड़क सुधारो आंदोलन समिति के बैनर तले ग्रामीणों ने मनसुवा बैंड पर प्रदर्शन कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान गांव की पेयजल लाइन ध्वस्त हो गई, उपजाऊखेती में मलबा भर दिया गया है। तीन जनवरी को तहसीलदार और विभागीय अभियंताओं के साथ ग्रामीणों की बातचीत में एक माह में सभी कमियां दूर करने का लिखित समझौता हुआ। समझौते के अनुरूप आज तक काम नहीं होने पर ग्रामीण ने धरने के साथ ही अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है। इस दौरान अध्यक्ष बालम सिंह नेगी, जगत सिंह, गोपाल मैनाली, प्रेम सिंह, कैलाश चंद्र, शंकर सिंह, दीपा, खिमुली, अनुली, प्रभा शर्मा, नरेंद्र सिंह भंडारी, जोगा सिंह, तारा सिंह, नंदन सिंह, गोकुल सिंह, शिव सिंह, पूरन सिंह, जगत सिंह, बचे सिंह, नाथू सिंह, राधा देवी, प्रीति नेगी, संगीता, हंसी, हेमा आदि शामिल रहे।

व्यापारियों को दी खाद्य सुरक्षा संबंधी जानकारियां

अल्मोड़ा। रानीखेत में खाद्य सुरक्षा विभाग की तरफ से रानीखेत में फोस्टेक ट्रेनिंग सर्टीफिकेट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारियों के साथ प्रतिष्ठानों में साफ–सफाई, पेस्ट कंट्रोल, सामान की एक्सपायरी, खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की जानकारी समेत ग्राहकों के साथ मधुर, कुशल व्यवहार, सामानों के उचित मूल्य रखने आदि की भी जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर विनय कुमार ने कहा कि फोस्टेक ट्रेनिंग वर्कशॉप आने वाले समय में रेस्टोरेंट्स, किराना, मिठाई, बेकरी तथा अन्य खाद्य संबंधी वस्तुओं के प्रतिष्ठानों के लिए अनिवार्य होने जा रही है।

पॉलिथिन रखने पर छह व्यापारियों का चालान

चम्पावत। नगर पालिका ने पॉलिथिन रखने वाले व्यापारियों के खिलाफ एक बार फिर से नकेल कसी है। पालिका ने दह व्यापारियों को पॉलिथिन रखने और प्रयोग करने पर 15 सौ रुपये के चालान किया। गुरुवार को नगर पालिका की ईओ प्रियंका रैंकवाल के नेतृत्व में पालिका टीम ने स्टेशन बाजार और मंडी की दुकानों में छापेमारी की। इस दौरान दह व्यापारियों के 15 सौ रुपये के चालान किए। ईओ ने बताया कि पॉलिथिन को लेकर समय–समय पर छापेमारी अभियान चलाया जाएगा। टीम में राजकुमार बिष्ट, प्रमोद महर, सुमित गड़कोड़ी, प्रकाश उप्रेती, संदीप वाल्मीकी रहे।

संचालित योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लोगों तक पहुंचाएं : डीएम

अल्मोड़ा। उद्योग विभाग के कार्यों की डीएम वंदना ने समीक्षा बैठक ली। विभाग के सिंगल विंडो सिस्टम के तहत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। बुधवार को कलक्ट्रेट में बैठक में डीएम ने बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं से संबंधित जो भी आवेदन बैंकों को प्राप्त होते हैं उनका जल्द से जल्द निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

वार्षिक ऋण योजना के अनुरूप आवेदकों को ऋण उपलब्ध कराने, सीएम स्वरोजगार योजना से संबंधित सभी बैंक अपने लक्ष्यों को फरवरी माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने, स्वीकृत आवेदनों के खातों में लोन धनराशि का निस्तारण करने समेत लंबित आवेदनों को आवेदकों से संपर्क कर निस्तारण के निर्देश दिये। बैठक में जीएम डीआईसी मीरा बोहरा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गोल्ड मेडल जीतकर हितेश ने किया उत्तराखंड का नाम रोशन

पिथौरागढ़। विशाखापत्तनम में आयोजित 39वी नेशनल ताइक्वांडो के ज्यूनियर वर्ग के हितेश देवली ने 53 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर खिताब अपने नाम किया।

सीमान्त क्षेत्र मुनस्यारी के हितेश देवली ने 39वीं नेशनल ताइक्वांडो में 53 किग्रा का भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर उत्तराखण्ड के साथ– साथ पिथौरागढ़ का भी नाम रोशन किया हैं। हितेश के गोल्ड मेडल जीतने कि खबर सुनकर क्षेत्र के लोगों ने हितेश के घर जा कर। हितेश के परिवार वालों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। पिता जगदीश देवली, माता मुन्नी देवली और कोच रवि पाण्डेय ने हितेश के मेडल जीतने पर खुशी व्यक्त की।

डायट में राज्य स्तर की इतिहास और समाजशास्त्र की कार्यशाला का समापन

चम्पावत। डायट लोहाघाट में इतिहास और समाजशास्त्र शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र माध्यमिक स्तर के तहत राज्य स्तरीय कार्यशाला का समापन हो गया है। कार्यशाला में उत्तराखंड भर से कई शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। डायट सभागार में प्रभारी प्राचार्य दिनेश सिंह खेतवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम समन्वयक मनोज भाकुनी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष रखने के साथ ही प्रोजेक्ट निर्माण, मैप रीडिंग से संबंधित विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। मुख्य संदर्भदाता प्रकाश चंद्र उपाध्याय ने आईसीटी के माध्यम से बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित किए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों का निर्माण करने के विविध तरीकों की जानकारी दी। सह समन्वयक शिवराज सिंह तड़ागी ने कहा कि निर्मित प्रोजेक्ट और तैयार प्रश्नों को कक्षा कक्ष में पहुंचाना आवश्यक है। डॉ. अरुण तलनियां ने सीखने के प्रतिफलों को आधार मानकर शिक्षण विधियों को अपनाने पर बल दिया। यहां दयाकृष्ण सनवाल, डॉ. गजपाल राज,भुवन शंकर पांडेय, राखी गहतोड़ी, मुकेश सुतेड़ी, रुचि पांडे, संजय पांडेय, पवन कुमार, बेचन यादव, अरिमर्दन यादव,निर्मल सिंह,कंचन, गणेश दत्त पंत, हरीश चंद्र जोशी, संजीता शाह, चंद्र लाल शाह, जितेंद्र पुनेठा, जीवन चंद्र भुवन नाथ, उमेद सिंह, कल्पना रानी, नीलम, कैलाश चन्द्र, दीवान राम टम्टा,दीपा थापा, गीता बिष्ट आदि रहीं।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को सफल बनाने की अपील

चम्पावत। कांग्रेस कार्यालय टनकपुर में पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। साथ ही हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के संदर्भ में कार्यकर्ताओं को जरुरी दिशा–निर्देश दिए। पूर्व सांसद टम्टा ने कांग्रेस की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया। कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की नीतियों से बुरी तरह त्रस्त है। उत्तराखंड में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अवैध खनन, लूट खसोट, गुंडाराज, दलाली सभी ने प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। यहां पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश राम, हेमचंद जोशी, खालिद अंजुम, गजेंद्र पाल, रमेश चंद, दीपक पांडेय, श्याम कठायत, दीपक राय, बसंतराय, अशोक मुरारी, राहुल कुमार, करन सिंह, नीरज मिश्रा, साहिल गिरी आदि रहे।

दुकान का शटर काटते रंगे हाथ गिरफ्तार हुआ आरोपी

अल्मोड़ा। ताकुला में दुकान का शटर काटने वाले आरोपी को पुलिस ने रंगे हाथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बीते मंगलवार देर रात पुलिस को गश्त के दौरान ताकुला बाजार में केवल आश्रम के पास से कटर मशीन चलने की आवाज सुनाई दी। मौके पर जाकर पुलिस ने देखा की एक व्यक्ति ग्लैंडर मशीन से दुकान का शटर काट रहा था। पुलिस ने आरोपी अजय सिंह (21) पुत्र मदन सिंह, निवासी मुसिया चौड़ कालीगाड़ झिरौली बागेश्वर को पकड़ लिया।

पालतू मवेशी छोड़ा तो गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

पिथौरागढ़। सीमांत में पालतु मवेशियों को छोड़ने वाले लोगों पर पुलिस गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई करेगी। इसके लिए पुलिस का ऑपरेशन कामधेनु शुरू हो गया है। पुलिस ने सभी पशुपालकों से मवेशियों का पशुपालन विभाग में रजिस्ट्रेशन करवाकर टैग अनिर्वाय तौर पर लगाने को कहा है।

जनपद में पुलिस ने सड़कों पर आवारा घूमने वाले पशुओं को लेकर ऑपरेशन कामधेनु शुरू किया है। एसपी लोकेश्वर सिंह ने कहना है कि कुछ लोग दुधारू गायों के दूध न देने के पश्चात उन्हें आवारा छोड़ देते हैं। सड़कों में घुमने वाले इन मवेशियों के कारण यातायात तो बाधित होता ही है साथ ही कई दुर्घटनाएं होने के भी संभावना बनी रहती है। आवारा पशुओं पर नियंत्रण लगाए जाने के लिए जिले में ऑपरेशन कामधेनु की शुरुआत की गई है।

एक सप्ताह से मिल में लगातार तकनीकी खराबी के कारण गन्ने का उठान कम हो रहा

सितारगंज, खटीमा क्षेत्र के गन्ना किसान गन्ना खरीद के लिए समय पर पर्ची नहीं मिलने व उठान नहीं होने पर नाराजगी जताने सितारगंज चीनी मिल पहुंच गए। यहां अफसरों के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई। किसानों ने कहा कि पहले 60 प्रतिशत इंडेंट खटीमा को मिलता था। पिछले 10 दिनों से काफी कम पर्चियां मिल रही हैं। इससे किसानों का गन्ना खेतों में खराब हो रहा है।

मुख्य गन्ना अधिकारी (सीसीओ) ऋषिपाल सिंह ने किसानों को बताया कि पिछले वर्ष के अनुपात में इस बार गन्ना अधिक उठ चुका है। इससे किसान आक्रोशित हो गए। उनका कहना था कि इस बार रकबा अधिक है। प्रति एकड़ गन्ने की उपज भी अधिक है। पिछले वर्ष से तुलना करने का कोई औचित्य नहीं है। किसानों ने कहा कि गन्ना खेतों में छीलकर रखा हुआ है। सीसीओ ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर यूपी का 34 हजार कुंतल गन्ना लिया है। पिछले एक सप्ताह से मिल में लगातार तकनीकी खराबी के कारण गन्ने का उठान कम हो रहा है। इस दौरान चीनी मिल प्रशासन के जवाब से नाराज किसानों की अफसरों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। प्रधान प्रबंधक राजीव लोचन शर्मा के मिल पीपीपी मोड में जाने की सूचना पर किसान भड़क गए। कहा कि अफसरों की कमी के कारण मिल बदहाल स्थिति में पहुंची। चेतावनी दी कि खटीमा के किसान पीपीपी मोड में सितारगंज चीनी मिल को अपना गन्ना नहीं देंगे। किसानों ने मौके पर पहुंचे किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह से समस्या का समाधान करने की मांग की। राजपाल सिंह ने मिल प्रबंधन को गन्ना किसानों की मांगों को गम्भीरता से लेते हुए त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया। आयोग के उपाध्यक्ष ने गन्ना किसानों व मिल प्रबंधन से वार्ता के बाद कम्प्यूटर का कार्य पूर्व की भांति करने, गन्ना मूल्य भुगतान विगत वर्षों की भांति की तरह संबंधित बैंकों में भेजने, पर्ची कैलेंडर विगत वर्षों की तरह करने, समिति में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर पदों में प्रशिक्षित व अनुभवी ऑपरेटरों को रखने, खटीमा क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट व्यवस्था सुधारने के लिए गन्ना आयुक्त को पत्र लिखा। गन्ना किसानों ने चेतावनी दी कि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो चीनी मिल के अफसरों का घेराव करेंगे। यहां गन्ना समिति खटीमा के चेयरमैन भगवंत सिंह खालसा, पूर्व चेयरमैन इकबाल सिंह, पूर्व चेयरमैन बलजीत सिंह, जसपाल सिंह, अशोक मौर्य, निशान सिंह, करनैल सिंह, दीपक मौर्य, गन्ना समिति खटीमा सचिव गांधीराम मौजूद रहे।

हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के तहत बाड़ेछीना में बैठक

अल्मोड़ा। भैंसियाछाना ब्लॉक में कांग्रेस की हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा जारी है।

गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पूरन सिंह सुप्याल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाड़ेछीना, पांडेतोली व शील में पदयात्रा निकाली। इस दौरान बाड़ेछीना में हुई बैठक में वक्ताओं ने भाजपा सरकार को पूंजीपतियों की सरकार बताते हुए गरीबों और बेरोजगारों के साथ अन्याय करने वाली बताया। इस मौके पर पीसीसी सदस्य दान सिंह नेगी, बलवंत टम्टा, संजय दुर्गापाल, देव राम, प्रताप राम, दीपक भट्ट, गिरीश टम्टा, गोपाल राम, नंदन राम, जगदीश राम, महेंद्र सिंह, कैलाश चंद्र, मोती राम, विनोद तिवारी, शिवराज सिंह, बलवंत टम्टा, जीवन सिंह ठठोला, धनीराम आदि लोग मौजूद रहे।

विशेष कार्याधिकारी ने बैठक लेकर क्षेत्र में संचालित योजनाओं की समीक्षा की

सितारगंज। विशेष कार्याधिकारी ललित मोहन आर्य ने गुरुवार को बैठक लेकर क्षेत्र में संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान ब्लॉक में न तो बीडीओ मिले और न ही एबीडीओ ही आए। बीडीओ जिला मुख्यालय तो एबीडीओ छुट्टी पर बताए गए। विशेष कार्याधिकारी ने खंड विकास, कृषि, उद्यान व पशुपालन विभाग के अधिकारी–कर्मचारियों से क्षेत्र में संचालित योजनाओं की जानकारी ली। बैठक में कृषि विभाग के प्रभारी न तो प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और न ही मुख्यमंत्री कृषि विकास योजना के आंकड़े दे पाए। इस पर विशेष कार्याधिकारी ने नाराजगी जताई।

गुरुवार दोपहर तीन बजे से खंड विकास अधिकारी के कार्यालय में क्रियान्वयन कार्यक्रम विभाग के विशेष कार्याधिकारी आर्य ने वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह से योजनाओं के बारे में जाना और उनके क्षेत्र में क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा की।

इसके बाद कृषि विभाग के प्रभारी सुभाष यादव से योजनाओं के आंकड़े मांगे तो वह जवाब नहीं दे सके। गौरा देवी कन्याधन योजना में आने वाली दिक्कतों पर जानना चाहा तो समाज कल्याण विभाग से कोई भी मौजूद नहीं मिला। उद्यान विभाग के प्रभारी त्रिभुवन जोशी ने सीएम संरक्षित योजना, उद्यान बीमा योजना आदि के बारे में बताया। मनरेगा योजना से बनाए गए अमृत सरोवरों के बारे भी जाना। बैठक में सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी महेश कुमार, डीआरडीए के अवर अभियंता सुशील कुमार, मनरेगा के उप कार्यक्रम अधिकारी नीरज जोशी, एनआरएलएम की एरिया कोआर्डिनेटर नेहा राणा, मनरेगा के कनिष्ठ अभियंता सचिन चंद्र, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी देवेंद्र सिंह, वीडीओ अजय कुमार आदि रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कौसानी में रोपा पौधा

बागेश्वर। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने गुरुवार की सुबह कौसानी से सूर्योदय का विहंगम दृश्य देखा। अनासक्ति आश्रम के अलावा पंत बिथिका का भ्रमण किया। यहां पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू हुए राउमावि रौनडाल के छात्र

अल्मोड़ा।हवालबाग विकासखंड के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रौनडाल के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान और सूर्य मंदिर कटारमल का भ्रमण किया।

भ्रमण कार्यक्रम के तहत कक्षा 9 वीं के 21 छात्र– छात्राओं ने प्रतिभाग किया। टीम प्रभारी सहायक अध्यापक प्रेमा बिष्ट और दीपा सिंह पाल के साथ संस्थान के वरिष्ठ शोधार्थियों और वैज्ञानिकों ने छात्रों को संस्थान से संबंधित वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही छात्रों को विभिन्न प्रकार के औषधीय और वानकीय पौधों के बारे में जानकारी दी।

परीक्षा भर्ती घोटले में सीबीआई जांच की मांग पर गरजे युवा

चम्पावत। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले युवाओं और छात्र– छात्राओं ने यूकेएसएसएससी और यूकेपीएससी परीक्षा घोटले की सीबीआई जांच करने की मांग पर प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए सीएम का पुतला दहन किया। इस दौरान उन्होंने एसडीएम के माध्यम से पीएम, राज्यपाल, सीएम और कुमाऊं कमिश्नर को ज्ञापन भेजा। गुरुवार को बेरोजगार संघ के अध्यक्ष हिमांशु ओली, महासचिव मनीष सिंह मेहरा और उपाध्यक्ष कमल सिंह ढेक के संयुक्त नेतृत्व में सैकड़ों युवा रामलीला मैदान में एकत्र हुए।

उन्होंने नगर के मध्य सरकार और सीएम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वीर कालू सिंह माहरा चौक में सीएम का पुतला दहन किया। उन्होंने 12 फरवरी को आयोजित पटवारी परीक्षा को रद्द करने की मांग उठाई। कहा कि पहले सीबीआई जांच होनी चाहिए और सभी दोषियों को सजा मिले और घोटालेबाज अभ्यर्थियों को 10 साल तक बैन किया जाए फिर नकल विरोधी कानून बनाकर परीक्षा करवाई जाए। इस मौके पर चांदनी मेहता, अजय कुमार, धीरज कुमार, मनिषा राय, राहुल ढेक, निकिता जोशी, शालिनी पुजारी, पूजा विश्वकर्मा, सपना विश्वकर्मा, शिवम पांडेय, कमल सिंह प्रथोली, शिवम पांडेय, तरुण पचौली, महेश अधिकारी, अंकित कुंवर, नवीन राय, तनमय पांडेय, दीपक राय, करन कुमार, सचिन आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर विवि देगा एनओसी

श्रीनगर गढ़वाल : शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल श्रीनगर की ठंडी रोड व अन्य मसलों को लेकर विवि, एनआईटी, एसएसबी व मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों से साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में ठंडी रोड के निर्माण को विवि की एनओसी न मिलने के संदर्भ में जानकारी ली।

जिस पर विवि के अधिकारियों ने कहा कि इस संदर्भ में विवि द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया है। मंत्रालय व केंद्रीय शिक्षा मंत्री के निर्देशों के बाद ही विवि द्वारा एनओसी दी जा सकेगी।

दरअसल श्रीनगर में आंचल डेरी से डांग होते हुए स्वीत तक करीब सात किमी. की ठंडी सड़क बननी है। जिसके लिए राज्य सरकार की ओर से बजट स्वीकृत किया गया है। लेकिन इस सड़क के दायरे में विवि के हैप्रक से लगी करीब 300 मी. की भूमि आने से मंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने में दिक्कतें हो रही हैं। कई प्रयासों के बावजूद लोक निर्माण विभाग को हैप्रक से लगी भूमि की एनओसी सड़क निर्माण के लिए नहीं मिल पा रही है। विवि का कहना है कि इस दायरे में हैप्रक के बेशकीमती पेड़ व औषधीय पौधे आ रहे हैं। साथ ही इसकी एनओसी बिना केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के नहीं दी जा सकती है। यह बात विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल व कुलसचिव प्रो. एनएस पंवार ने कैबिनेट मंत्री डा. रावत के समक्ष भी रखी। जिस पर मंत्री ने मंत्रालय व केंद्रीय शिक्षा मंत्री के स्तर से ही अग्रिम कार्यवाही कराए जाने की बात कही। इस संदर्भ में उन्होंने एसडीएम को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिखने व विवि और लोनिवि के अधिकारियों के साथ एक ज्वाइंट सर्वे करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस रोड के बनने से पूरे श्रीनगर को फायदा मिलेगा। बैठक में डीएसडब्लू प्रो. एमएस नेगी, मुख्य नियंता प्रो. बीपी नैथानी, मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो. दीपक, ईई विजयानंद, एई महेश डोभाल, छात्र संघ अध्यक्ष गौरव मोहन नेगी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

भूस्खलन प्रभावित परिवार की अनदेखी पर जताई नाराजगी

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के दूरस्थ क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोठार डागर स्थित गोदी गांव में गत वर्ष 20 अगस्त को हुए भूस्खलन प्रभावित परिवारों के विस्थापन व मुआवजे को लेकर उचित कार्यवाही न होने पर पीड़ित परिवार एवं ग्राम प्रधान ने गहरी नाराजगी जताई है।

इस संदर्भ में पीडब्लूडी/पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता को दिए पत्र में ग्राम प्रधान कोठार बलदेव सिंह ने कहा है कि इस घटना में 12-12 कमरों के दो आवासीय भवन व अन्य चल-अचल संपत्ति पूरी तरह से मलबे में दब गई थी। साथ ही एक महिला के मलबे की चपेट में आने से मौत हो गई थी। कहा उक्त त्रासदी डागर-कोठार-पाली-गोदी मोटर मार्ग के नियम विरुद्ध एवं गलत निर्माण के कारण हुई।

कहा पीड़ितों के घर के पीछे पहाड़ी पर लगातार ब्लॉस्टिंग किए जाने व 6 माह तक सड़क निर्माण के लिए पत्थर हेतु पोकलैंड मशीन से खनन किया जाता रहा। जिससे उक्त क्षेत्र पर अतिरिक्त कटान हो गया। इससे पीड़ति परिवारों के घरों में दरारें आ गई। साथ ही लगातार मलबा आता रहा। इस दौरान पीड़ित परिवार किशोरी लाल एवं सरोजनी देवी द्वारा आपत्ति किए जाने के बावजूद किसी भी स्तर से उनकी नहीं सुनी गई। जिससे पीड़ितों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। उन्होंने पत्र में पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाने व विस्थापन करवाने की मांग की। कहा यदि मांग पर अमल नहीं हुआ तो उन्हें पीड़ित परिवारों के साथ धरना प्रदर्शन करने को विवश होना पड़ेगा। (एजेंसी)

यूपी के घोड़े–खच्चरों का होगा ग्लेंडरस टेस्ट

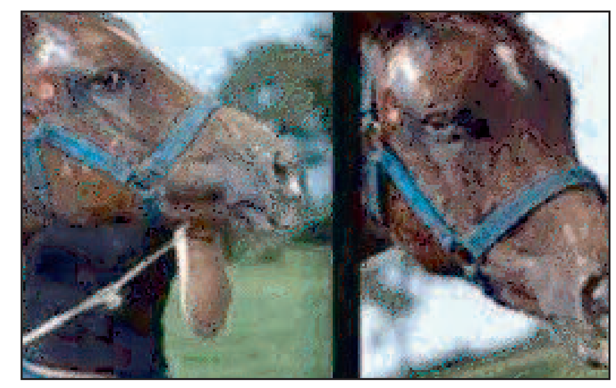

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर इस बार शासन–प्रशासन के साथ ही जनपद प्रभारी एवं पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा भी काफी सक्रिय है। रुद्रप्रयाग दौरे पर आए जनपद प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस बार घोड़े–खच्चरों के संचालन को लेकर बेहतर योजना बनाई जाएगी। यूपी से आने वाले सभी घोड़े–खच्चरों का ग्लेंडरस टेस्ट किया जाएगा। केदारनाथ यात्रा में प्रतिवर्ष 10 हजार से अधिक घोड़े खच्चरों की आवाजाही होती है ऐसे में जहां पैदल चलने में यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं घोड़े–खच्चरों के संचालन और उनके स्वास्थ्य को लेकर कई सवाल उठते रहे हैं। बीते साल की यात्रा से अनुभव लेते हुए इस बार घोड़े खच्चरों के बेहतर संचालन के लिए स्वयं पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने अफसरों की बैठक लेने के बाद बताया कि इस बार बिजनौर और यूपी से आने वाले घोड़े–खच्चरों का सबसे पहले ग्लेंडरस टेस्ट किया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग मयूर दीक्षित द्वारा बिजनौर के जिलाधिकारी को पत्र लिख दिया गया है। साथ ही आगामी 15 दिनों के भीतर यात्रा में शामिल होने वाले घोड़े खच्चरों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं बेहतर की जाएगी।

29 मई को गर्भ गृह में प्रवेश करेंगी मां जिठाईं

चमोली। दो दिसंबर 2022 से अपने छह माह के दिवारा यात्रा पर निकली मां जिठाईं देवी 29 मई 2023 को गर्भगृह में प्रवेश करेगी। चौदह वर्ष बाद भ्रमण पर निकली मां जिठाईं देवी की डोली 15 मई को अपने गांव कनखुल पहुंचेगी। यहां पुजारी गोपाल दत्त थपलियाल ने पंचाग के अनुसार तिथि देखकर बताया कि 15 मई को गांव पहुंचने के बाद 20 मई से यहां देवी भागवत शुभारंभ होगा। जो नौ दिनों तक चलेगा। पूर्व प्रधान रणवीर कंडवाल और भगवान कंडवाल ने बताया कि धार्मिक आयोजन की तैयारियां की जा रही है।

खेलो इंडिया खेलो के तहत गुलमर्ग की मखमली बर्फ पर दौड़ेंगे उत्तराखंड के स्कियर्स

जोशीमठः जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में 10 से 14 फरवरी तक आयोजित होने वाली वाले खेलो इंडिया खेलो प्रतियोगिता के तहत उत्तराखंड की टीम जोशीमठ से गुलमर्ग के लिए रवाना हो गई है । बताया कि 11 सदस्यीय टीम गुलमर्ग में स्की माउंट ट्रेनिंग , स्नो शोइंग, आइस स्टॉक गेम्स में प्रतिभाग करेगी।

गुलमर्ग में उत्तराखंड की टीम में मयंक डिमरी, जयदीप भट्ट, विकास चौहान, शालिनी राणा, आयुष भट्ट, अनुज भुजवाण, शार्दुल, रचित पंवर, ऋषभ रावत भाग ले रहे है। टीम के के कोच विकेश डिमरी ने कहा सभी खिलाड़ियों का चयन उसके बेस्ट परफॉर्मेंस के आधार पर किया गया है और सभी खिलाड़ी अपना बेस्ट प्रदर्शन देना चाहते है। उन्होनें कहा खेलो इंडिया खेलो के तहत होने वाले गेम्स में उत्तराखंड की टीम से सबसे अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद है टीम मैनेजर डाबर सिंह ने बताया की टीम अच्छी चुनी गई है ।

गन्ने के उन्नत पैदावार को होंगी 13 फरवरी से बैठकें

ऋषिकेश। गन्ने के बीज बदलाव और उन्नत पैदावार लेने के लिए चीनी मिल डोईवाला का गन्ना विकास विभाग देहरादून क्षेत्र में किसानों के साथ बैठकें आयोजित करने जा रहा है। 13 फरवरी को डोईवाला के थानो रोड स्थित राजेश्वरी फॉर्म में सुबह 11 किसानों की बैठक आयोजित होगी। जबकि 2 मार्च को डोईवाला के खैरी गांव में गन्ना विकास विभाग द्वारा किसानों के साथ बैठक की जाएगी। देहरादून सहकारी गन्ना विकास समिति के क्षेत्र में 17 फरवरी को साभावाला पंचायत भवन में और 22 फरवरी को सहसपुर में गन्ना किसानों के साथ चीनी मिल का गन्ना विकास विभाग बैठक आयोजित करेगा।

एमएलटी छात्रों को सौंपा 6 माह का इंटर्नशिप प्रमाण पत्र

ऋषिकेश। उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विवि के कुलपति प्रो. हेमचंद्र पांडे ने श्रीदेव सुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस के मेडिकल लैब टेक्निशियन (एमएलटी) विभाग का निरीक्षण कर तमाम व्यवस्थाओं को जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने एमएलटी के पास आउट छात्रों को एम्स ऋषिकेश के 6 माह का इंटर्नशिप प्रमाणपत्र भी सौंपा। हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हेमचंद्र पांडे श्रीदेव सुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस में स्थित एमएलटी विभाग पहुंचे। उन्होंने विभाग का निरीक्षण कर प्रयोगशाला, शिक्षण व्यवस्था आदि को देखा। मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी विभाग की व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त की। निरीक्षण के बाद उन्होंने एमएलटी के एक दर्जन से अधिक पासआउट छात्र–छात्राओं को एम्स ऋषिकेश की ओर से प्रदत छह माह का इंटर्नशिप प्रमाण पत्र सौंपा। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से प्लेसमेंट सेल प्रारम्भ करने की बात कही। साथ ही पासआउट छात्रों को सेवा भाव से कार्य करने की सलाह दी। मौके पर श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो. महावीर सिंह रावत और प्राचार्य प्रो. गुलशन कुमार ढींगरा आदि मौजूद रहे।

टैक्सी यूनियन व स्मार्ट सिटी अधिकारियों के बीच हुई बैठक

ऋषिकेश। एक दिन पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर इलेक्ट्रिक बसों को लेकर हुए हंगामे के बाद गुरुवार को टैक्सी यूनियन और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। हंगामा के दौरान उठे मुद्दों पर बैठक में स्थिति साफ की गई। मालूम हो कि एक दिन पहले बुधवार को इलेक्ट्रिक बसों के समय और रेट लिस्ट दिखा कर सवारी को बुलाने पर विवाद की स्थिति पैदा हो गई थी।

इसी के बाबत गुरुवार को बैठक हुई। इसमें निर्णय लिया गया की इलेक्ट्रिक बस 20 मिनट एयरपोर्ट पर खड़ी रहेगी। बस चालक या प्री चालक आवाज या रेट लिस्ट दिखा कर सवारी नहीं बुला सकेगा। बैठक में एयरपोर्ट प्रबंधक प्रभाकर मिश्रा, स्मार्ट सिटी से श्याम सिंह राणा, उपजिलाधिकारी युक्ता मिश्रा, संजय चमोली, रोशन सैनी, दीपक पांडे आदि मौजूद रहे।

डीएम ने नरेंद्रनगर क्षेत्र में लिया जायजा

नई टिहरी। जी 20 की व्यवस्थाओं को लेकर डीएम डा सौरभ गहरवार ने नरेंद्रनगर क्षेत्र में गहन स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं के लिए किए जा रहे कामों में किसी भी प्रकार की कमी किसी भी स्तर पर न रहने पाये। जी 20 के आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जनपद की बेहतर छवि का संदेश अतिथियों के बीच जाये। गुरुवार को डीएम ने सीडीओ मनीष सहित जिले के आला अधिकारियों के साथ बाईपास से नरेंद्रनगर जाने वाली सड़क और नरेंद्रनगर–गुजराड़ा–रानीपोखरी बाईपास रोड का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने एसई लोनिवि को निर्देशित किया कि नरेन्द्रनगर–गुजराड़ा–रानीपोखरी बाईपास पर स्थित झरने का सौन्दर्यीकरण कर डेस्टिनेशन प्वाइंट के रूप में विकसित करें। साथ ही दीवार पर रिफ्लेक्टर यहां पर लगाया जाय। उत्तरकाशी–38 मोटर मार्ग पर कुछ एक स्थानों पर पैराफिट हटाते हुए इंटरलॉक करने, दीवार लगाने तथा उन पर रिफ्लेक्टर लगाने के साथ कुछ प्वाइंटस व पगडंडी को ठीक करने को कहा गया। एक समान इंटरलाक के साथ ही ड्रैनेज को भी ठीक करने के निर्देश दिए। डीएम ने एसडीएम नरेंद्रनगर और बीआरओ के अधिकारियों को बीआरओ कार्यालय के पास दीवार देने, खराब टिन शैड बदलने तथा सौन्दर्यीकरण करवाने के निर्देश दिए। ईओ नगरपालिका नरेन्द्रनगर को सड़क के किनारे झाड़ी कटान करवाने एवं साफ–सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने को कहा।

एक किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

विकासनगर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने मिलन चौक के पास से एक किलो 130 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मंडल, श्रीनगर (गढ़वाल) दूरभाष: 01346–252137,
Email: dgmsri.upcl@yahoo.com कॉरपोरेट आई०डी० संख्या (CIN) U40109UR2001SGC025867

ई–निविदा निरस्तीकरण सूचना दिनांक: 09.02.2023

एतद्द्वारा इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित ई–निविदा संख्या 26/2022–23 जिसकी निविदा प्रपत्र ऑफलाइन (कार्यालय में) जमा करने की तिथि दि० 08.02.2023 एवं ऑफलाइन व ऑनलाइन निविदा भाग–1 खुलने की तिथि दि० 09.02.2023 थी, को किन्हीं अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

पत्रांक: 243/वि०वि०म०श्री०/टी–9 — अधीक्षण अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें — विद्युत चोरी की सूचना हेतु सतर्कता अधिकारी से फैक्स 0135–2760911 (टोल फ्री न० :-1800 419 0405) एवं मोबाइल +91–8958811999 पर एस०एम०एस० द्वारा रिपोर्ट करें।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का वास्तविक नाम योगम्बर सिंह है, जो कि परिवार रजिस्ट्रर भाग दो में अंकित है, जबकि मेरे स्कूल के प्रमाण पत्रों व विवाह प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम भूलवश जोगी सिंह अंकित हो गया है। योगम्बर सिंह व जोगी सिंह एक ही व्यक्ति के नाम है।

सोहन सिंह पुत्र योगम्बर सिंह
ग्राम जमरगड्डी, पट्टी सीला
तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी
गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0735/25)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मंडल, श्रीनगर (गढ़वाल) दूरभाष: 01346–252137,
Email: dgmsri.upcl@yahoo.com कॉरपोरेट आई०डी० संख्या (CIN) U40109UR2001SGC025867

ई–निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक: 09.02.2023

अद्योहस्क्षरकर्ता द्वारा इस मण्डल के अन्तर्गत निम्न निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा संख्या–31/विविमश्री/2022–23– Construction work of 11 KV line for Parinda-II Pumping Peyjal Scheme under EDD, Kotdwar in Deposit Head.

ई–निविदा संख्या–32/विविमश्री/2022–23– Construction work of 11 KV line for Chaiwada Pumping Scheme under EDD, Nainidanda in Deposit Head.

ई–निविदा संख्या–33/विविमश्री/2022–23– Construction work of 11 KV line for Rasiyamadev Pumping Scheme under EDD, Nainidanda in Deposit Head.

अन्य विवरण के लिये कृपया हमारी वेबसाईट www.uktenders.gov.in देखें एवं ई–निविदा के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी के लिए कृपया फोन नं० 01346–252137 पर सम्पर्क करें।

पत्रांक: 245/वि०वि०म०श्री०/टी–9 — अधीक्षण अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें — विद्युत चोरी की सूचना हेतु सतर्कता अधिकारी से फैक्स 0135–2760911 (टोल फ्री न० :-1800 419 0405) एवं मोबाइल +91–8958811999 पर एस०एम०एस० द्वारा रिपोर्ट करें।

प्रमुख अभियंता से की हैलीपैड को बचाने की मांग

विकासनगर। टोंस नदी किनारे बना हेलीपैड रखरखाव के अभाव में खस्ताहाल हो चुका है। बाढ़ सुरक्षा कार्य नहीं होने के कारण साल दर साल हेलीपैड का हिस्सा बहता जा रहा है।

अब स्थानीय लोगों ने सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता को ज्ञापन प्रेषित कर जल्द बाढ़ सुरक्षा कार्य कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन में स्थानीय लोगों ने बताया कि अगस्त 2018 में उत्तरकाशी जनपद की बंगाण पट्टी में आई दैवीय आपदा के दौरान टोंस किनारे बना हेलीपैड भी आपदा की भेंट चढ़ गया था। जिसके चलते आपदा प्रभावित बंगाण पट्टी में राहत एवं बचाव कार्य में भी दिक्कतें आईं। तब से लेकर अभी तक हर साल टोंस के उफान में हेलीपैड धीरे धीरे बहता जा रहा है।

सिपेट डोईवाला के 14 छात्रों ने टॉप–10 में जगह बनाई

ऋषिकेश। डोईवाला का केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) कम समय में ही बुलंदियों को छू रहा है। सिपेट के 14 छात्र–छात्राओं ने देशभर में टॉप–10 में जगह बनाकर उत्तराखंड और डोईवाला का नाम रोशन किया है।

इनमें से चार छात्र डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डीपीटी) और दस छात्र डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डीपीएमटी) के हैं। सिपेट संस्थान के संयुक्त निदेशक अभिषेक राजवंश ने बताया कि डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डीपीएमटी) में कविता नाथ और अनुराग मेहता ने देश में पहला स्थान, अनिरुद्ध कुमार और श्रवण कुमार ने दूसरा, आर्यन कुमार ने तीसरा, रचित पोरस ने चौथा, अक्षय शर्मा ने पांचवा, अंकुश मेहता ने सातवां, भास्कर भारती ने आठवां और वैभव सिंह ने नौवां स्थान प्राप्त किया है। वहीं डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डीपीटी) में पूरे देश में अनुराग कुमार ने तीसरा, धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने चौथा, रिया भंडारी ने आठवां और जिया नेगी ने नौवां स्थान हासिल किया। देश के टॉप – 10 छात्रों में इस संस्थान के 14 छात्र–छात्राओं ने स्थान बनाकर सराहनीय प्रदर्शन किया है। संस्थान के प्रशिक्षण प्रभारी बीके सिंह ने बताया कि सिपेट का उद्योगपरक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को करिअर को आगे बढ़ाने में मदद करता है और 3 वर्ष बाद रोजगार भी मुहैया कराने में मदद करता है।

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय छात्र–छात्राओं के साथ उनके अध्यापकों और संस्थान के प्रबंधन को दिया है।

बस सेवा संचालन की मांग की

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के बमराड़ी गांव के राकेश चौहान ने मैसारी से चंबा होते हुये ऋषिकेश के लिये बस सेवा संचालन की मांग की है। उन्होंने कहा कि उक्त सड़क मार्ग पर बस सेवा की सुविधा न होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बताया बस सेवा संचालन के संबंध में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने पूर्व में भी डीएम और एआरटीओ नई टिहरी को लिखित पत्र दिया था, लेकिन बस सेवा का संचालन शुरू नहीं हो पाया। कहा कि उक्त मोटरमार्ग पर बस सेवा का संचालन न होने से क्षेत्र गैसारी, कमांद, भल्डियाना, डोबरा, चांठी, जाख, जसपुर सहित कई गांवों के ग्रामीणों को आवाजाही करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, श्रीनगर (गढ़वाल) दूरभाष: 01346–252137,
Email: dgmsri.upcl@yahoo.com कॉरपोरेट आई०डी० संख्या (CIN) U40109UP2001SGC025867/2358

"ई–निविदा सूचना" दिनांक : 09/02/2023

विद्युत वितरण मण्डल श्रीनगर (ग०) के अधीन विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु 'ए' श्रेणी विद्युत में पंजीकृत लाइसेन्सधारकों से जो कि ई०एस०आई/ई०पी०एफ/जी०एस०टी/आयकर विभाग में पंजीकृत हो एवं ब्लैकलिस्टिड न हों, जो सम्बन्धित कार्य में अनुभव रखते हों, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र मूल्य एवं धरोहर राशि अधिशासी अभियन्ता, विद्युत परीक्षण खण्ड, श्रीनगर गढ़वाल के नाम से देय हो। निविदा जमा व खोलने का विवरण निम्नवत है–

ई–निविदा सं०	कार्य का विवरण	धरोहर राशि (रु० में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु० में)	निविदा प्रपत्र ऑफलाइन (कार्यालय में) जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	ऑनलाइन एवं ऑफलाइन निविदा भाग–1 खुलने की तिथि एवं समय
30/ विविमश्री/ 2022–23	विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत 33/11 के०वी० उपसंस्थान बिजनी बड़ी के अनुरक्षण, नये संयोजन एवं बिलिंग कार्य वाह्य एजेन्सी के माध्यम से एक वर्ष सम्पादित कराये जाने का कार्य।	72,000.00	रु० 1180.00 (जी०एस०टी सहित)	24.02.2023 12:00 बजे तक	25.02.2023 12:00 बजे प्रथम भाग

Note :-
1- Part-I of tender shall be opened on same day. Bidder must qualify above requirements in order to complete in the Tender. Failing to submit above documents in Part-I. Shall be disqualified.
2- Part-II of the tender will be opened after getting approval from competent authority.
For further details, please visit after on our website www.uktenders.gov.in. For any assistance on e-Tendering please contact 01346-252137.

पत्रांक: 244/वि०वि०म०श्री०/टी–9 — अधीक्षण अभियन्ता

राष्ट्र हित में विद्युत बचायें — बिजली बचाने हेतु एल०ई०डी बल्ब का प्रयोग करें
"Pay Electricity bill Online 24x7 from www.upcl.org" Customer Care Toll Free No.-1800 419 0405

जल संस्थान और जल निगम की मनमानी से ग्रामीणों में आक्रोश

विकासनगर। ग्राम पंचायत केदारावाला में पानी के बिलों में जल संस्थान और जल निगम की मनमानी के बीच ग्रामीण पिस रहे हैं। पहले जल निगम ने ग्रामीणों से बिल ऐंठे और अब जल संस्थान एक वर्ष का ब्याज लगाकर ग्रामीणों को भारी भरकम बिजली का बिल दे रहा है।

जिससे दोनों विभागों की मनमानी पर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम प्रधान ने दोनों विभागों को पत्र लिखकर गांव में संयुक्त कैंप लगाकर सही बिल देकर बकाया राशि जमा करवाने की मांग की है। दो वषे पूर्व जल संस्थान केदारावाला ग्राम पंचायत में पेयजल की व्यवस्था देखने के साथ ही लोगों को बिल भेजता था, लेकिन जल जीवन मिशन शुरू होने के बाद जल निगम ने पेयजल व्यवस्था अपने हाथ में ले ली। अब दोनों विभाग जल निगम और जल संस्थान लोगों को पानी के बिल भेज रहा है, जिसमें कुछ ग्रामीणों ने जल निगम तो कुछ ने जल संस्थान में बिल जमा कर दिये। लेकिन दोनों विभागों के बिल देने से ग्रामीणों में भ्रम पैदा हो गया। जिस पर ग्रामीणों ने विरोध किया तो एक वर्ष पूर्व जल निगम ने जल संस्थान को ही बिल वसूलने का जिम्मा सौंप दिया, लेकिन उसके बाद दोनों विभागों ने एक वर्ष तक बिल नहीं भेजे। अब जल संस्थान ने एक वर्ष के बिल बनाकर ब्याज सहित ग्रामीणों को भेजे हैं। जिसमें पांच से दस हजार रुपये तक के बिल ग्रामीणों को भेजे गये हैं।

जौनपुर महोत्सव के आयोजन को लेकर बैठक

नई टिहरी। जौनपुर महोत्सव आयोजन को लेकर जौनपुर महोत्सव समिति की थत्यूड़ में बैठक हुई। बैठक में जौनपुर महोत्सव को सफल बनाने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। समिति अध्यक्ष विरेन्द्र राणा ने बताया आगामी मार्च माह पहले पखवाड़े भीतर जौनपुर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में लोक सांस्कृतिक, क्रीड़ा और बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। बताया महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर आगामी 19 फरवरी को दोबारा क्षेत्र के विभिन्न संगठनों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक की जाऐगी।

छात्रों का उत्साहवर्धन जरूरी: विधायक नेगी

नई टिहरी। प्रताप नगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने राजकीय इंटर कालेज लम्बगांव में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में पूर्व विधायक फूल सिंह बिष्ट की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी। विधायक नेगी ने मेधावी छात्रों को पुस्कार व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए विधायक नेगी ने कहा कि छात्रों को आगे बढ़ाना है, तो हर स्तर पर उनका उत्साहवर्धन किया जाना जरूरी है। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-पौड़ी

पत्रांक :- 1985 / ग्रा०नि०वि०/निविदा-सूचना-02/2022-23/ :: दिनांक 08-02-2023

''ई-निविदा आमन्त्रण सूचना''

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से सक्षम निविदादाताओं से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य की ई-निविदा ऑन-लाईन दिनांक 24-02-2023 को पूर्वाहन 11:30 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदायें उसी दिन अपराह्न 12:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष इस कार्यालय में खोली जायेंगी। निविदा के सम्बन्ध में सभी सूचनाऐं/शर्तें, http://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 10-02-2023 से उपलब्ध रहेंगी।

क्र० सं०	कार्य का नाम	जनपद / विकास खण्ड	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य +GST	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की पंजीकृत श्रेणी	निविदा की वैधता
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	जनपद पौड़ी के विकासखण्ड खिर्सू में नाबार्ड योजनान्तर्गत ग्राम सुमाड़ी में निवेश केन्द्र का निर्माण कार्य।	पौड़ी/ खिर्सू	36.00	75,000.00	नि०मू०-2500 GST-450 पृथक-पृथक	10 माह	भवन निर्माण कार्यों में ''डी'' एवं उच्चतर	45 दिन

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड पौड़ी।

सम्पादकीय

परीक्षाओं पर सियासत

उत्तराखंड की विभिन्न परीक्षाओं को लेकर उठे सवालों के बाद देहरादून की सड़कों पर युवाओं के सैलाब ने सरकार के माथे पर शिकन पैदा कर दी है। हाल ही के दिनों में कुछ परीक्षाओं में अनियमितताओं के साथ-साथ बैक डोर से एंट्री एवं पेपर लीक के प्रकरण से सरकार कटघरे में खड़ी है। विडंबना यह है कि हर परीक्षाओं को अब संदेह के दायरे से देखा जा रहा है और प्रदेश की परीक्षा प्रणाली भी डामाडोल स्थिति में है। हालात ऐसे हो गए हैं कि यह भी कहा जाने लगा है कि क्या सरकार प्रतियोगी परीक्षाएं कराने में सक्षम है भी या नहीं? परीक्षाओं में धांधली के बाद युवाओं का सब्र भी आखिर टूट गया है जिसका उदाहरण राजधानी देहरादून में देखने को मिला। सरकार युवाओं को कोई संतोषजनक जवाब देने में तो सक्षम नजर नहीं आई, अलबत्ता युवाओं को खदेड़ने के लिए किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम कर दिया है। देहरादून पुलिस के लाठीचार्ज से विपक्ष एक्शन में आ गया है और उत्तराखंड पुलिस की इस कार्रवाई पर आने वाले दिनों में बेरोजगार युवकों पर हुए लाठीचार्ज की गूंज राजनीतिक गलियारे में सुनने को मिलेगी। भविष्य में भी परीक्षाओं को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है और मांग की जा रही कि पहले जांच हो जाए उसके बाद परीक्षाएं कराई जाए। वह इसके विपरीत सरकार रद्द हुई परीक्षाओं को कराने की तैयारी में है। सरकार का यह पूर्वाग्रह आखिर कितना सफल साबित होगा यह आने वाले दिनों में पता लगेगा लेकिन यह जरूरी है कि प्रदेश की परीक्षा प्रक्रिया में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उत्तराखंड की छवि इन परीक्षाओं को लेकर खराब हुई है जिसका सीधा असर सरकार के कामकाज करने के तरीके पर भी पड़ा है। हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर परीक्षाओं में जांच बिठाई गई है वह खुद में यह बताने के लिए काफी है कि अन्य परीक्षाएं भी पाक साफ होंगी इसकी कोई गारंटी नहीं है। संभवत यही कारण है कि अब पूर्व हुई परीक्षाओं को भी जांच के दायरे में लाने की मांग उठ रही है। सरकार को भी ऐसी आशंका नहीं थी कि बेरोजगारों का हुजूम इस प्रकार से सड़कों पर उम्र पड़ेगा। युवाओं के प्रदर्शन से दून घाटी पूरी तरह से प्रभावित हुई और लाठीचार्ज के बाद आने वाले दिनों में या प्रदर्शन और अधिक संख्या बल के साथ देखने को मिलेगा। परीक्षाओं को लेकर सरकारी तंत्र पहले से ही विवादों के घेरे में खड़ा था उस पर युवाओं पर लाठी चार्ज करना सरकार के लिए मुसीबत भरा हो सकता है। हालांकि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने युवाओं को आश्वासन दिया है कि सरकार उनके हितों से खिलवाड़ नहीं होने देगी लेकिन युवा उनके इस आश्वासन से प्रेरित होंगे इसकी संभावना कम ही नजर आ रही हैं। लाठीचार्ज की घटना के बाद चिंगारियां के सुलगने का काम हो चुका है और इसकी आग की लपटें आने वाले दिनों में निश्चित तौर पर नजर आएंगे।

समान नागरिक संहिताः भारतीय परिवेश में है जरूरी

मुहम्डन कानून की धारा 251 (2) के अनुसार पागलों और नाबालिगों (लड़का-लड़की) का विवाह उनके अभिभावक द्वारा 15 वर्ष से कम में भी हो सकता है। इसी कानून के अनुसार एक मुस्लिम लड़के का विवाह तोड़ा जा सकता है यदि उसकी सहमति विवाह पर नहीं है। इसके अलावा तलाक के नियम भी पुरुषों के अलग और स्त्रियों के अलग हैं। उन्हें तलाक के बाद मासिक भत्ता देने का रिवाज नहीं है। यह सिर्फ इद्दत भर है यानी तलाक देने से तीन महीनों तक। इसके अलावा स्त्री एक शादी कर सकती है जो कि ठीक है। पर पुरुष एक ही समय में 4 विवाह कर सकता है, और एक ही घर में रख सकता है और यदि वह पांचवां विवाह भी कर लेता है तो यह गैर कानूनी या गैर धार्मिक नहीं है, बस अनियमित है। ऐसी व्यवस्था में हर एक स्त्री को पति पर एकाधिकार नहीं होता जो उसे खुशी प्रदान कर सके। इसके अलावा शिया कानून में दो तरह के विवाह होते हैं- परमानेंट और मुता विवाह यानि अस्थाई।

कमलेश जैन

भारत में हिंदू स्त्रियों की स्थिति 200 वर्ष पहले दयनीय थी। पंडिता रमाबाई ने कहा था भारत तब तक तरक्की नहीं कर सकता और संसार के देशों में कोई स्थान नहीं बना सकता जब तक कि हिंदू घरों में हिंदू स्त्रियां जो मां भी है, की स्थितियां नहीं सुधरती।

बच्चियों को बालपन में शादी कर उपेक्षा के अंधकार में ढकेल दिया जाता है।

इसके साथ ही अपने मातृ कर्तव्यों के बारे में अनजान, खासकर सामान्य पोषण संबंधी नियमों से अनजान और ज्यादा निम्नस्तर को प्राप्त होती हैं। यह याद रखना होगा कि वह भी एक लड़की है तथा बच्चे को जन्म देकर मां बनती है। 14-15 की उम्र में उससे यह आशा नहीं की जा सकती कि वह अपने बच्चों का सही ढंग से पालन कर सकेगी। हम देख रहे हैं कि हिंदू रीति-रिवाजों एवं कानून में निरंतर सुधार हुआ है। सती प्रथा, बाल विवाह का विरोध हुआ है। कानून में भी आवश्यक बदलाव कर लड़कियों को जकडनों, बंधनों से मुक्त किया गया है। आज उनके विवाह की उम्र क्रमशरू बढ़ाकर 18-21 वर्ष की गई है, मुफ्त शिक्षा का उपहार दिया गया है।

हिंदू विवाह अधिनियम 1955 में बदलाव लाया गया और लड़कियों की उम्र बढ़ाकर 18 वर्ष लड़कों के विवाह उम्र 21 वर्ष की गई और भी बहुत से बदलाव विवाह एवं तलाक के कानूनों में किए गए। इस कारण, आज उनकी स्थिति, शक्ति, आत्मसम्मान में काफी परिवर्तन हुआ है। ठीक इसी तरह मुस्लिम कानून में, स्त्रियों के लिहाज से परिवर्तन आज की मांग है। 1990 के दशक में भी इसकी जरूरत समझी जा रही थी। मैंने खुद श्एप्वा सीपीएमएल की महिला विंग की कार्यकर्ताओं के साथ एक प्रश्नावली, बनाकर पटना का भ्रमण किया था। मैंने बल्ब बनाने वाली महिला से लेकर डक्टर तक का इंटरव्यू लिया।

सवाल थे- क्या उन्हें पढना, बाहर काम करना पसंद है, क्या वे पति की अकेली पत्नी बनकर रहना चाहती हैं, क्या उन्हें तीन तलाक की प्रक्रिया पसंद है, क्या उन्हें संपत्ति में अधिकार पसंद है, क्या तलाक के बाद मुआवजा या भरण-पोषण का अधिकार चाहिए आदि। करीब-करीब सभी ने यही कहा- हां पसंद है पर मजहब की पाबंदियों के कारण कुछ कह नहीं सकती। आज इन बहनों को भी इन जकडनों से निकलते की जरूरत है। शादी की उम्र अभी महज 15 वर्ष है। इतनी सी उम्र में शिक्षा मुश्किल से 10 क्लास हो सकती है और नौकरी कर अपने पांवों पर खड़े होने का सवाल ही नहीं उठता। यहां विवाह एक कांट्रेक्ट की तरह है जिसे कभी भी तोड़ा जा सकता है। पर यहां भी पुरुष को अधिक अधिकार दिए गए हैं।

मुहम्डन कानून की धारा 251 (2) के अनुसार पागलों और नाबालिगों (लड़का-लड़की) का विवाह उनके अभिभावक द्वारा 15 वर्ष से कम में भी हो सकता है। इसी कानून के अनुसार एक मुस्लिम लड़के का विवाह तोड़ा जा सकता है यदि उसकी सहमति विवाह पर नहीं है। इसके अलावा तलाक के नियम भी पुरुषों के अलग और स्त्रियों के अलग हैं। उन्हें तलाक के बाद मासिक भत्ता देने का रिवाज नहीं है। यह सिर्फ इद्दत भर है यानी तलाक देने से तीन महीनों तक। इसके अलावा स्त्री एक शादी कर सकती है जो कि ठीक है। पर पुरुष एक ही समय में 4 विवाह कर सकता है, और एक ही घर में रख सकता है और यदि वह पांचवां विवाह भी कर लेता है तो यह गैर कानूनी या गैर धार्मिक नहीं है, बस अनियमित है। ऐसी व्यवस्था में हर एक स्त्री को पति पर एकाधिकार नहीं होता जो उसे खुशी प्रदान कर सके। इसके अलावा शिया कानून में दो तरह के विवाह होते हैं- परमानेंट और मुता विवाह यानि अस्थाई।

एक शिया मुस्लिम, किसी भी धर्म की स्त्री यथा मुस्लिम, ईसाई, यहूदी या पारसी के साथ अस्थाई विवाह कर सकता है, पर किसी और धर्म वाली के साथ नहीं। पर एक शिया स्त्री किसी गैर मुस्लिम के साथ मुता निकाह नहीं कर सकती। इसमें शारीरिक संबंध एक तय अवधि के लिए बनाया जा सकता है। यह अवधि एक दिन, एक महीना, एक वर्ष या डावर यानी मुआवजा देना जरूरी है। इसमें यौन संबंध की अवधि तथा श्डावर दोनों ही तय होने चाहिए। स्त्री पुरुष में यह भेदभाव स्त्रियों की खुशी उन्नति, शारीरिक सुरक्षा, समाज, देश में उसकी भागीदारी को आहत करती है। इसी प्रकार भारत में हर धर्म, संप्रदाय में यथा ईसाई, पारसी, हिंदू, आदिवासी सभी में स्त्रियों के अधिकार की दृष्टि से एक ही नागरिक संहिता होनी चाहिए।

देश की आधी जनसंख्या यदि संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों से वंचित रहे तो उसकी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक संपदा, लाभ से राष्ट्र वंचित रहता है। ऐसा देश दुनिया के प्रगतिशील देशों की दौड़-विकास की तुलना में पीटे हो जाता है।

इसका असर राजनीतिक तो है ही सामाजिक भी है। जिस दिन महिलाएं अपनी सशक्त उपस्थिति देश की संसद, विधानसभा, पंचायत, स्कूल, कलेज, विश्वविद्यालय, व्यापार में बराबरी से दर्ज कराएंगी तो देश अत्यंत ही सशक्त संतुलित और अहिंसक होगा। सामाजिक तौर पर शिक्षित, बालिग स्त्रियां आर्थिक रूप से मजबूत, बच्चों के पालन में संतुलित, जागृत होगी। कहा भी जाता है एक शिक्षित मां कई बच्चों की एक मजबूत आधारशिला होती है जिसके बच्चे परिपक्व और समझदार होते हैं। देश राजनैतिक परिवेश और घर समाज की समुचित उन्नति के लिए समान नागरिक संहिता अत्यंत ही आवश्यक है।

तुलसी रामायण पर विवाद

अजय दीक्षित

बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्रशेखर एवं समाजवादी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिन्दू धर्म की आस्था को आहत करने वाले बयान दिये हैं, तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर उन्होंने घटिया, सिद्धान्तहीन एवं हास्यास्पद टिप्पणी करके धर्म-विशेष की आस्था को आहत करते हुए विवाद को जन्म दिया है । हालांकि सपा ने मौर्य की इस टिप्पणी से खुद को यह कहते हुए अलग कर लिया है कि यह उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी है ।

रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर ति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं। आखिर बहुसंख्य हिन्दू समाज कब तक सहिष्णु बन ऐसे हमलों को सहता रहेगा? कब तक श्सर्वधर्म समभावश के नाम पर बहुसंख्य समाज ऐसे अपमान के घूंट पीता रहेगा? राजनीतिक दलों में एक वर्ग-विशेष के प्रति बढ़ते धार्मिक उन्माद पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि अभी यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। रामचरितमानस हिन्दू धर्म के अनुयायियों का सर्वोच्च आस्था ग्रंथ है। करोड़ों लोग इस ग्रंथ का हर दिन स्वाध्याय करते हैं। मौर्य ने इस ग्रंथ को लेकर सरकार से दुर्भाग्यपूर्ण एवं हास्यास्पद यह मांग कर दी है कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना को ही पाबंद कर दिया जाये। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह, किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। भले ही यह विवाद बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से शुरू हुआ कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी । इसके

पक्ष-विपक्ष में लंबी-चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं। लेकिन सैंकड़ों वर्षों से घर-घर में मन्दिर की भांति पूजनीय यह कोरा ग्रंथ नहीं है बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूल्यों की पाठशाला है। रामचरितमानस में भले रामकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीराम के चरित्र के माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। रामचरितमानस भारतीय संसति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपितु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान् ग्रन्थ भी है। यह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है। रामचरित मानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है।

विडम्बना है कि राजनेता इस बात की कतई परवाह नहीं करते कि उनके शब्दों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ेगा रामचरित मानस पर तथाकथित प्रगतिशील पहले भी अधकचरी टिप्पणियां करते रहे हैं लेकिन इससे इस ग्रंथ की सर्वस्वीकार्यता, प्रतिष्ठा एवं चरितमानस उपयोगिता पर कोई असर नहीं पड़ा, न ही गोस्वामी तुलसीदास के प्रति लोगों की श्रद्धा कम हुई ।

डंडे से समाज सुधार

सरमा को खुद से पूछना चाहिए कि मध्य और समृद्ध वर्ग के परिवारों में बाल विवाह क्यों नहीं होते? जिन समस्याओं का संबंध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से है, उनका हल डंडे के जोर से ढूंढना एक अतार्किक नजरिया है।

हर भावनात्मक और सामाजिक मामले को सियासी हथियार बनाने का भारतीय जनता पार्टी का उत्साह इतना ज्यादा है कि इसके फौरी और दीर्घकालिक दुष्परिणामों की वह तनिक भी फिक्र नहीं करती है। उसका यह उत्साह फिलहाल असम में देखने को मिल रहा है, जहां के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा उग्रता की होड़ में आगे निकलने का कोई मौका नहीं चूकते। अब उन्होंने बाल विवाह रोकने के नाम पर असम एक बड़ी सामाजिक समस्या खड़ी कर दी है। सैकड़ों कमउम्र लड़कियों का इस वजह से भविष्य खतरे में पड़ गया है, क्योंकि उनके नव-विवाहित पतियों को जेल भेज दिया गया है। इस तरह जो लोग अज्ञान, गरीबी और पारंपरिक पिछड़ेपन के शिकार हैं, उन्हें ही इसकी सजा भुगतने को भी कहा जा रहा है। क्या यह प्रश्न इस मौके पर नहीं उठाया जाना चाहिए कि अगर सरकारों ने संवैधानिक वायदे के मुताबिक सबकी शिक्षा और सबके जीवन स्तर में सुधार को सुनिश्चित किया होता, तो आज लाखों कमउम्र लड़के-लड़कियां उस सपने से वंचित नहीं होते, जिसकी वजह से वे छोटी उम्र में विवाह का बोझ उठाने को तैयार हो जाते हैं? सरमा को खुद से पूछना चाहिए कि मध्य और समृद्ध वर्ग के परिवारों में बाल विवाह क्यों नहीं होते?

जिन समस्याओं का संबंध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से है, उनका हल डंडे के जोर से ढूंढना एक अतार्किक नजरिया है। गौरतलब है कि असम सरकार ने राज्य में होने वाले ष्बाल विवाह, प्रसव के दौरान माताओं और नवजात शिशुओं की ऊंची मृत्यु दर पर अंकुश लगाने के लिएष अभियान चलाया है। इसके तहत 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ पोक्सो अधिनियम और 14 से 18 साल तक की उम्र वाली लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम- 2006 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम सरकार राज्य में बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए तसंकल्प है। लेकिन अगर वे इस संकल्प को पूरा करने के लिए शिक्षा, जागरूकता और परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का अभियान चलाते, तो सारे देश में उनकी भावना की तारीफ होती। फिलहाल ऐसा करने की कोई वजह नहीं।

घर की सफाई करने में आता है आलस, अपनाए ये 6 तरीके, बिना मेहनत अपने आशियाने को रखे नीट एंड क्लीन

घर में साफ सफाई की जिघ्मेदारी मुख्यता घर की औरतों पर होती है। उन्हें ही घर को सजाने, उसे साफ रखने के लिए जिघ्मेदार माना जाता है। हालाकि, इन दिनों ज्यादातर महिलाएं हाउस हेल्प या काम वाली लगाती है। हालाकि, मुश्किल तब बढ़ जाती है जब आपके पास कोई काम वाली नहीं हो और आप आलसी हो। खुद कुछ काम करना नहीं पसंद करती हो। ऐसे में घर को साफ कैसे रखा जाए ये एक बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में हम आपकी मदद कर देते है। आज हम आपको 6 कारगर तरीके बताने जा रहे है जिनकी मदद से आप बड़ी आसानी से आपने घर की सफाई कर सकती है। तो चलिए जानते है इनके बारे में..

सुबह उठने के बाद सबसे पहला काम करे बिस्तर को ठीक करना। केवल बेड के व्यवस्थित रहने से ही आधा बेडरूम अपने आप ही साफ नजर आने लगता है।

घर में जितना ज्यादा सामान होता है उतना ही साफ सफाई का झंझट होता है ऐसे में आप उन चीजों को खरीदें जो कम जगह घेरता हो और एक साथ 2 से ज्यादा काम में आए। ऐसा करने से आपका पैसा भी बचेगा और सफाई की टेंशन से भी टुटकारा मिलेगा।

डोरमेट बाहर की गंद्गी को घर में प्रवेश करने से रोकने का कारगर तरीका है। इसे आपको महीने में सिर्फ एक बार धोने की जरूरत होती है। हमेशा घर में कम से कम तीन डोरमेट रखें। इससे सफाई लंबे समय तक टिकी रहेगी और डोरमेट भी जल्दी गंदा नहीं होगा।

विनोबा भावे : बापू के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी

डा सुधीर सक्सेना

वे समर्पण की नजीर थे। पूर्णतरू एकनिष्ठ। किसी भी तरह के संशय से परे। अविचल और अडिग। चरैवेति के मंत्र को उन्होंने जीवन में उतार लिया था। उन्होंने अपने पांवों से इस महादेश को ओरछोर नापा। भाषाएं उनके चेरी थीं। कंठ में सरस्वती। प्रसिद्धि की चाह नहीं। आवश्यकताएं कम से कमतर। गीता पर अपूर्व और अनूठा अधिकार। अनुवाद में अद्भुत गति। संगीत से अनुराग। अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए दान की याचना। अहिंसाव्रती और श्जयाजगत के मंत्र-दाता..

यह थे विनोबा। संत विनोबा भावे। जन्मना विनायक नरहरि। आत्मा से सर्वोदयी। भूदान-यज्ञ के प्रणेता। राष्ट्र के शिक्षक। महात्मा गांधी के आध्यात्मिक या उत्तराधिकारी पुत्र। भारत छोड़ो आंदोलन के पहले सिपाही। श्रीमद्भगवतगीता के मर्मज्ञ और प्रवचनकार। साबरमती के संत के अनन्य अनुयायी। वह समस्त भारतीय भाषाओं के लिए उसी तरह एख लिपि के अनुयायी थे, जैसे तमाम योरोपीय भाषाओं के लिए एक रोमन लिपि। देवनागरी को वह समस्त भारतीय भाषाओं के लिए उपयुक्त मानते थे। उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन किया। प्रेम की अमोघ शक्ति और सत्ता में उनकी गहरी आस्था थी। वह कहा करते थे-श्मुझे प्रेम छोड़ कोई तकनीक नहीं पता, क्योंकि शक्ति में मेरा कोई विश्वास नहीं।22 लोक ने उन्हें ससम्मान श्आचार्य कहकर पुकारा। तज्ञ राष्ट्र ने सन् 1983 में उन्हें भारतरत्न से सम्मानित किया। इससे पच्चीस साल पहली ही उन्हें प्रतिष्ठित रमन मैग्सेसे अवार्ड से विभूषित किया जा चुका था।

महाराष्ट्र के कोंकण अंचल में 11 सितंबर, सन् 1895 को एक छोटे-से गांव गागोजी में उनका जन्म हुआ। नरहरि शंभुराव और रुक्मणिदेवी की पांच संताने थीं। चार बेटे विनायक, बालष्ण, शिवाजी एवं दत्तात्रेय तथा एक पुत्री। आधुनिक विचारों के पिता प्रशिक्षित बुनकर थे और बड़ौदा में रहते थे। विनायक का पालन-पोषण दादा शंभुराव भावे ने किया। वह महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में पढ़े। वह अफनी मां रुक्मणी देवी से अत्यंत प्रभावित थे। कम उम्र में ही उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता पढ़ी तो उसका उन पर अनन्य और अमिट प्रभाव पड़ा। वह आजीवन इस अमृतग्रंथ के पठन-पाठन, उस पर प्रवचन, टीका और अनुवाद से जुड़े रहे। उनके बारे में उनके घनिष्ठ सहयोगी मन्नारायण ने कहा-श्मुझे इस बात में रत्तीभर शक नहीं कि जब उनके भूदान-यज्ञ के अशेष तलाश

क र

सकना भी शोधकर्ताओं के लिए मुश्किल होगा। तब भी गीता पर उनकी विवेचना सदियों तक दमकती रहेगी। एक ऐसे महाा षि के दमकते आभूषण के रूप में जो हाड़मांस में भारत भूमि पर रहता था। कौन यकीन करेगा कि गीता पर उनकी टीका की भारतीय और योरोपीय भाषाओं में बीती सदी के अंत तक लगभग 25 लाख प्रतियां बिक चुकी थीं और नयी सदी में भी उसका बिकना जारी है। यह टीका कैदियों को तब दिये गये व्याख्यानों का परिणाम थी, जब वह सन् 1932 में फरवरी से जून के मध्य कारागार में थे। बंदियों में आस्था और ज्ञान के संचार के लिए उन्होंने लगातार 18 रविवार ये प्रवचन दिये थे। उन्होंने गीता को श्गीताई शीर्षक से मराठी में अनुवाद किया। आरएम लाला लिखते हैं- श्आश्रम में विनोबा से मिलना एक विनम्र अनुभव था। उस व्यक्ति का जो विशिष्ट व्यक्तित्व और जो मानववाद उभरकर सामने आता था।

उसके अलावा उनके भाषणों, व्याख्यानों और अध्ययन के फलस्वरूप जन्म लेने वाली पुस्तकों को पढ़कर एख अद्भुत अनुभव होता था। उनके ज्ञान का विस्तार आश्चर्यजनक था, क्योंकि उन्होंने तमाम विश्व धर्मों के सार तत्व का अध्ययन किया था और उस पर अनेक पुस्तकें प्रकाशित कराई थीं। कुरआन पढने के लिए उन्होंने अरबी सीखी। श्टक्स अन द गीता संभवतरू उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना थी।

विनोबा भारतीय भाषाओं के लिए साझा लिपि के प्रबल पक्षधर थे। उनकी मान्यता थी कि साझा लिपि भारत के ऐक्य में सहायक होगी। उन्होंने एकबारगी कहा था-श्मैं एक सनकी हूं और मैंने एक नयी सनक अपना ली है। वह खुद को श्बाबा कहते थे। दिलचस्प तौर पर बाबा ने स्कूल में अंग्रेजी और फअरेंच सीखी थी, पर शीघ्र ही जर्मन, लैटिन और एस्पेरांतो भी सीख ली, क्योंकि उनकी लिपि एकसां थीं।

बापू से विनोबा के रिश्तों को जाने बगैर विनोबा को नहीं जान सकते। उन्हें बापू के विचारों और पाठों ने रचा था। बापू से उनका नाता एकबारगी जुड़ा तो फिर टूटा नहीं।

इस रिश्ते की कहानी दिलचस्प है। महामना मदनमोहन मालवीय के नवस्थापित वाराणसी हिन्दु विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी के भाषण ने उन्हें पहलेपहल गांधी की ओर आष्ट किया। सन् 1916 का वाकया है। विनोबा इंटर परीक्षा के वास्ते बंबई जा रहे थे। रेलयात्रा में ही उन्होंने अखबार में छपा बापू का आलेख पढ़ा। लेख ने उनके भीतर ऐसी अलख जगायी कि उन्होंने स्कूल-कलेज के अफने सर्टिफिकेट आग में झोंक दिये। उन्होंने तत्काल बापू को एक खत लिखा। इस खत से दोनों के दरम्यां पत्राचार का सिलसिला चल निकला। बापू ने अपने से छब्बीस वर्ष छोटे विनोबा के मन की थाह पाई तो उन्हें पत्र लिखकर मुलाकात के लिए अहमदाबाद स्थित कोचरब आश्रम में आमंत्रित किया। 7 जून, 1916 को दोनों की भेंट हुई। नतीजतन विनोबा ने आगे पढने का इरादा त्याग दिया और आश्रम की गतिविधियों से मन, वचन और कर्म से जुड़ गये। अध्ययन, अध्यापन, साफ-सफाई, कताई, खादी का प्रचार-प्रसार, ग्रामोद्योग, नयी तालीम ही अब उनका ध्येय था। 8 अप्रैल सन् 1921 को वह बापू की इच्छा के अनुरूप आश्रम की स्थापना के लिए वर्धा गये। सन् 1923 में उन्होंने मराठी मासिक महाराष्ट्र धर्म निकाला। बाद में यह पत्र साप्ताहिक हुआ और तीन साल चला। सन् 1925 में बापू ने उन्हें केरल में मंदिर में हरिजनों के प्रवेश की निगरानी के लिए वायकोम भेजा। सन् 20 और सन् 30 के दरम्यान विनोबा कई दफा जेल गये। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ अहिंसक आंदोलन के नेतृत्व के लिए सन् 40 के दशक में उन्हें पांच साल के कारावास की सजा हुई।

कारावास विनोबा के लिए वरदान सरीखा हुआ करता था। सींखचों के पीटे रहकर उन्होंने खूब पढ़ा-लिखा। वहीं उन्होंने ईशावास्य-वृत्ति लिखा और स्थितिप्रज्ञ दर्शन भी। वहीं उन्होंने दक्षिण भारत की चारों भाषाएं सीखी। वेल्लोर जेल में उन्होंने लोकनागरी लिपि का अविष्कार किया। वह सुर्खियों में तब आएष जब महात्मा गांधी ने अफने अहिंसक आंदोलन के लिए श्पहला सिपाही के तौर पर उन्हें चुना। उनके भाई बालष्ण भी गांधीवादी थे। बापू ने उन्हें और मणिभाई देसाई को उरली कांचन में उपचार आश्रम के लिए प्रेरित किया। विनोबा ने कुछ समय बापू के साबरमती आश्रम में भी बिताया। जिस कुटिया में वह रहते थे, उसे विनोबा कुटिर के तौर पर सहेजा गया। आजादी के बाद भी वह गांधी पथ से जुड़े रहे और विश्व को ओमतत्सत् तथा जयजगत का मंत्र दिया।

बीती सदी के छठवें दशक में वह फिर सुर्खियों में आए। उनके भूदान-यज्ञ की कहानी सन् 1951 में आंध्र में पोलमपल्ली से शुरू हुई। जब जमींदार रामचंद्र रेड्डी ने विनोबा के आग्रह पर सौ एकड़ जमीन दान की। चौदह बरसों तक वह रोजाना बारह से पंद्रह मील पैदल चलते रहे। लोग उनकी एक झलक के लिए दूर-दूर से पैदल, रेलगाडियों और बसों-मोटरों में आते। सन् 1951 से 1970 के दरम्यान लगभग 10 लाख दानवीरों ने भूदान के तहत 42 लाख एकड़ भूमि का दान किया। वह नियमित दो बार सामूहिक प्रार्थना और ध्यान में भाग लेते थे। उन्हें मौन प्रिय था और वह आंतरिक वाणी को वरीयता देते थे। बीथोवेन की भांति वह भी बाद में बधिर हो गये थे। इमर्जेन्सी को अनुशासन-पर्व की उनकी संज्ञा चर्चित रही। नवंबर, सन् 1982 के प्रारंभिक दिनों में उन्होंने अन्नजल त्याग दिया। आठ दिनों के संथारा के उफरांत 15 नवंबर, सन् 1982 को राम-हरि, राम-हरि रटने के बाद उन्होंने अपने सृष्टा से एकाकार होने के लिए प्रयाण किया।

मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण से हटाए गए शब्द

कांग्रेस ने जताई आपत्ति, कहा- कुछ भी असंसदीय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी कांग्रेस ने गुरुवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के कुछ हिस्सों को आधिकारिक रिकर्ड से हटाने पर आपत्ति जताई। पार्टी ने दावा किया कि उन्होंने किसी असंसदीय शब्द का इस्तेमाल नहीं किया और उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ शब्दों का इस्तेमाल पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी किया था। हालांकि, धनखड़ ने समीक्षा से इनकार करते हुए कहा कि वह पहले ही फैसला कर चुके हैं।

राज्यसभा में दिन की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस सांसद बुधवार को की गई टिप्पणियों को कार्यवाही से हटाने के औचित्य पर सवाल उठा रहे थे, जबकि इसी तरह की टिप्पणियां पूर्व प्रधानमंत्रियों वाजपेयी और मनमोहन सिंह ने सदन में की थीं और जो कार्यवाही का हिस्सा बनी हुई हैं।

वहीं, मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट सत्र की शुरुआत में लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार सदन में कही गई बातों को सदन की कार्यवाही से नहीं हटाया जा सकता।

खरगे ने कहा, ष्मैंने न तो किसी असंसदीय शब्द या भाषा का इस्तेमाल किया और न ही किसी पर कोई आरोप लगाया। फिर भी आप कुछ शब्द चुनकर निकाल देते हैं .. मैं यह नहीं कहूंगा कि आपने उनकी गलत व्याख्या की, लेकिन अगर आपको कोई संदेह था तो आप एक अलग तरीके से स्पष्टीकरण मांग सकते थे। इसके बजाय भाषण के छह अलग-अलग हिस्सों को हटा दिया गया।ष कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा, ष्ये वही शब्द हैं जिनका इस्तेमाल सदन में पहले भी किया गया था। वाजपेयी ने (पूर्व प्रधानमंत्री) पीवी नरसिम्हा राव के लिए भी इसी शब्द का इस्तेमाल किया था। यह अभी भी रिकर्ड का हिस्सा है, आप इसे देख सकते हैं।ष

उन्होंने कहा कि जब जयराम रमेश सहित पार्टी के नेता कोई मुद्दा उठाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें काटकर छोटा कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, आप कहते हैं कि यह सही नहीं है.. आप बैठ जाओ.. आपको पढ़ाई करनी चाहिए। रमेश ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और उन्हें हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी आती है। वह संसदीय भाषा जानते हैं और फिर भी आप उन्हें टोकते रहते हैं। यह सही नहीं है। उन्होंने सभापति धनखड़ से रिकर्ड देखने को कहा। जब खरगे ने जब कहा कि जो भी उनके बचाव में आता है, उसे कुर्सी से रोका जाता है, इस पर धनखड़ ने कहा कि सभापति विपक्ष के नेता के अंतिम रक्षक हैं। खरगे ने पलटवार करते हुए कहा, लेकिन वही तो नहीं हो रहा है। आप हटा रहे हैं।

इससे पहले जयराम रमेश ने कहा कि खरगे ने केवल संसदीय शब्दों और भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, अगर इसे हटाया जाना है तो बोलने का क्या फायदा है? यह गलत है.. हम इसे (हटाने के फैसले को) स्वीकार नहीं कर सकते। सभापति जगदीप धनखड़ ने पलटवार करते हुए कहा, श्नहीं मान सकेश से आपका क्या मतलब है। इतना आलोचनात्मक होने से आपका क्या मतलब है। मैं हैरान हूं।

कांग्रेस के मुकुल वासनिक ने कहा कि विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए नोटिस दिए लेकिन सभापति ने उन्हें यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सांसद इस विषय पर बोलने के लिए स्वतंत्र होंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता ने बुधवार को प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपने विचार व्यक्त किए लेकिन आपने इसे कार्यवाही से हटा दिया। उन्होंने सवाल किया कि विपक्ष के नेता के भाषण का कौन सा हिस्सा असंसदीय था।

प्रमोद तिवारी (कांग्रेस सांसद) ने कहा कि खरगे प्रधानमंत्री का वर्णन करने के लिए जिन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, वे पहले संसद के साथ-साथ ओडिशा और कर्नाटक की राज्य विधानसभाओं में भी बोले जाते हैं। वे पूरी तरह से संसदीय हैं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पहले भी राज्यसभा में इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था और यह सदन के रिकर्ड का हिस्सा है। उन्होंने सभापति से संसदीय परंपराओं की रक्षा करने को कहा क्योंकि खरगे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए उनके निर्देश के अनुसार बोल रहे थे और इसे 267 नोटिस के माध्यम से नहीं उठा रहे थे। उन्होंने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि जिन शब्दों को हटाया गया है, उन्हें कार्यवाही का हिस्सा बनाएं। धनखड़ ने कहा, मैंने सदन द्वारा बनाए गए नियमों के आलोक में कार्यवाही की जांच की है। और नियम 261 मुझ पर एक दायित्व डालता है.. इस तरह की टिप्पणियां करना कि सब कुछ हटा दिया गया है, उचित नहीं है। मैं उम्मीद करता हूं कि माननीय सदस्य पहले उन चीजों का अध्ययन करेंगे जिन्हें हटाया गया है। मैं आपसे फिर आग्रह करूंगा कि हम एक ऐसे सदन में हैं जहां कुछ शिष्टाचार बनाए रखा जाना चाहिए।

कांग्रेस सांसदों के दबाव में आने पर उन्होंने कहा, मैंने अपना फैसला ले लिया है। इससे पहले धनखड़ ने कहा कि उन्होंने बीआरएस के केक़ केशव राव और आप के संजय सिंह द्वारा दिए गए नोटिस को खारिज कर दिया है क्योंकि वे सही नहीं थे। दोनों चाहते थे कि अमेरिकी शर्टसेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अदाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों और उसके कारण शेयरों में गिरावट पर चर्चा के लिए सूचीबद्ध किया जाए। संजय सिंह ने कहा कि यह अदाणी-मोदी घोटाला है। उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से इसकी जांच कराने की मांग की। इसके बाद पार्टी ने 267 नोटिस की अनुमति न दिए जाने के विरोध में सदन से बयकट किया।विपक्ष ने गुरुवार को केंद्रीय बजट को लेकर कहा कि इसने देश में गरीबी और बेरोजगारी पर सीधा हमला करने का मौका गंवा दिया है। लोकसभा में बजट पर चर्चा फिर से शुरू करते हुए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य मार्गानी भरत राम ने कहा कि बजट में आंध्र प्रदेश के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया है, जिसे पिछली कांग्रेस नीत संप्रग (यूपीए) सरकार ने जन्मदिन के केक की तरह बांट दिया था।

वाईएस कांग्रेस पार्टी के नेता ने कहा कि आंध्र प्रदेश के साथ अन्याय हुआ है, जिसने अलग तेलंगाना आंदोलन और हैदराबाद शहर सहित नए राज्य को दशकों से बनाई गई संपत्तियों के आवंटन के कारण 13 साल गंवा दिए। भरत राम ने मांग की कि केंद्र को आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देना चाहिए, जैसा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में वादा किया था, जब 2014 में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पारित किया गया था। भरत राम ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने का मौका गंवा दिया है। वाईएसआरसीपी नेता ने कहा, सरकार ने चुनावी दांव खेलने का मौका गंवा दिया है।वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सदस्य सौगत रय ने कहा कि केंद्रीय बजट किसान विरोधी, गरीब विरोधी और ग्रामीण विरोधी है। मनरेगा के बजट में कटौती और खाद्य एवं उर्वरक सब्सिडी में कटौती के लिए वित्त मंत्री पर निशाना साधते हुए रय ने कहा, बजट ने किसानों को वैश्विक बाजारों की अनिश्चितताओं से अवगत कराया है और षि की अर्थव्यवस्था को और भी नाजुक बना दिया है। तृणमूल नेता ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अदाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से जांच कराने की भी मांग की।

किसान रेल सेवा से बिहार व जम्मू-कश्मीर के किसान अब तक वंचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान रेल सेवा से बिहार और जम्मू-कश्मीर किसान अब तक वंचित हैं। रेलवे ने तीन साल में 2,359 किसान रेल सेवा ट्रेन संचालित की। इनमें से एक भी ट्रेन बिहार और जम्मू-कश्मीर से नहीं चलाई गई। रेल मंत्रालय के अनुसार किसान रेल सेवाओं की आवाजाही के लिए संभावित सर्किटों की पहचान षि और किसान कल्याण मंत्रालय और राज्य सरकारों के षि पशुपालन, मत्स्य पालन विभागों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और एजेंसियों, मंडियों आदि के परामर्श से की जाती है और मांग के आधार पर रैक प्रदान किए जाते हैं। केंद्रीय रेल मंत्री ने लोकसभा में जानकारी दी कि 7 अगस्त 2020 से 31 जनवरी 2023 तक रेलवे ने 2,359 किसान रेल सेवा ट्रेन का संचालन किया। इसके जरिए लगभग 7.9 लाख टन सामानों का परिवहन किया गया। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश से 116, असम से 1, गुजरात से 62, कर्नाटक से 46, महाराष्ट्र से 1,838, मध्य प्रदेश से 74, पंजाब से 15, राजस्थान से 5, तेलंगाना से 66, त्रिपुरा से 1, उत्तर प्रदेश से 76 और पश्चिम बंगाल से 59 ट्रेनों का संचालन हुआ। वहीं नागालैंड, बिहार, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर से अब तक एक भी ट्रेन नहीं चलाई गई।किसान रेल सेवा द्वारा फलों और सब्जियों के परिवहन के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा पिछल्ले साल 31 मार्च तक 50 फीसदी की सब्सिडी दी गई थी।

आईएफआरसी ने लगाया तुर्की और सीरिया के लिए कुल 21.7 करोड़ डॉलर की आवश्यक प्रारंभिक सहायता का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी),। इंटरनेशनल फेडरेशन अफ रेड क्रस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) ने तुर्की और सीरिया में भूकंप पीडिघ्तों की मदद के लिए 20 करोड़ स्विस फ्रैंक (21.7 करोड़ डलर) की आवश्यक प्रारंभिक सहायता का अनुमान लगाया है।

संचालन समन्वय जेवियर कैस्टेलानोस ने स्पूतनिक को यह जानकारी दी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, हम 20 करोड़ स्विस फ्रैंक का एक आपातकालीन बिल लेकर आए हैं जिनमें से 12 करोड़ तुर्की को और आठ करोड़ सीरिया को जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह राशि 12 महीने की अवधि के दौरान प्रदान की जाएगी। कैस्टेलानोस के अनुसार, तुर्की-सीरिया भूकंप प्रभावितों की मदद के लिए आवश्यक राहत सहायता की अंतिम राशि निर्धारित करने के लिए आईएफआरसी को कई महीनों के आकलन की आवश्यकता होगी। गौरतलब है कि सोमवार को दो बड़े भूकंपों और उसके बाद आये दर्जनों झटकों से दोनों देश हिल गए थे, जिनमें 15,000 से अधिक लोग मारे गये और हजारों मकान ढह गये।

तुर्की, सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हजार के पार

अंकारा/दमिश्क (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में सोमवार को आये विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15,383 हो गयी है। यहां काम कर रहे बचाव दलों और प्रशासन ने यह जानकारी दी। विनाशकारी भूकंप के कारण तुर्की में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 12,391 तक पहुंच गई है। इसी तरह सीरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सीरिया में कम से कम 1 हजार 262 लोग मारे गए और 2,285 लोग सरकारी कब्जे वाले क्षेत्रों में घायल हुए। मीडिया रिपोर्टों में बचावकर्मियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि सीरिया में विपक्ष के कब्जे वाले क्षेत्र में कम से कम 1,730 लोग मारे गए और 2,850 से अधिक घायल हुए।

गैस विस्फोट से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई दो : गवर्नर

मास्को (एजेंसी)। रूस के नोवोसिबिर्स्क शहर में एक घरेलू गैस विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

यहां के गवर्नर एंड्रे ट्रावनिकोव ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ट्रावनिकोव ने इससे पहले दिन में टेलीग्राम पर कहा कि गैस विस्फोट के कारण पांच मंजिला इमारत का एक अपार्टमेंट ब्लक ढह गया। गवर्नर ने यह भी कहा कि कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई है और चार घायल हुए हैं। रूसी आपात मंत्रालय ने कहा कि करीब 50 लोगों को इमारत से निकाला गया है। घटनास्थल पर कम से कम 13 एंबुलेंस पहुंच चुकी हैं।

फिर से चुनाव लडने का इरादा : बाइडेन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि बढ़ती उम्र के बावजूद उनकी 2024 में फिर से चुनाव लडने की योजना है लेकिन उन्होंने अभी तक इस पर कोई ठोस फैसला नहीं किया है। बाइडेन ने कहा, यह मेरा इरादा है, मुझे लगता है, लेकिन मैंने अभी तक इस पर दृढ़ता से निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी लोगों के साथ ईमानदार होंगे यदि उन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या है जो उन्हें सेवा करने से रोक सकती है। बाइडेन के 2020 के अभियान प्रतिद्वंद्वी और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले साल के अंत में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी की घोषणा की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश के खिलाफ टीएमसी नेता की जमानत याचिका पर सुनवाई टाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल की उस याचिका पर सुनवाई 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी, जिसमें निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के पशु तस्करी मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था। मंडल ने 31 दिसंबर को निचली अदालत के 24 जनवरी के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उन्हें जमानत नहीं दी गई थी।

विशेष न्यायाधीश ने उन्हें जमानत देने का कोई कारण नहीं पाते हुए आदेश पारित किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विशेष लोक अभियोजक नीतेश राणा ने कहा था कि मंडल की जमानत अर्जी में कोई दम नहीं है। ईडी ने सीमा सुरक्षा बल के तत्कालीन कमांडेंट सतीश कुमार के खिलाफ कोलकाता में सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मंडल को गिरफ्तार किया था। मंडल ने हाल ही में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट के समक्ष एक याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत अनिवार्य रूप से गिरफ्तारी के आधार प्रदान नहीं किए गए थे। आसनसोल की एक विशेष सीबीआई अदालत ने मंडल को जमानत देने से इनकार कर दिया था। 21 दिसंबर, 2022 को मंडल ने ईडी के राउज एवेन्यू अदालतों द्वारा पेशी वारंट जारी करने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था।

जैसलमेर जिला बीसूका रैंकिंग में आखिरी पायदान से पहुंचा 13वें स्थान पर

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान का जैसलमेर जिला बीस सूत्री कार्यक्रम के क्रियान्वयन में राज्य में 13 वें स्थान पर पहुंच गया है।

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि जैसलमेर में जिला कलेक्टर के रूप में उनकी नियुक्ति होने पर सबसे बड़ी चुनौती बीस सूत्री कार्यक्रम में जिले की रैंकिंग को सुधारना था।

उन्होंने बताया कि इस दौरान जैसलमेर में जिला प्रशासन की पूरी टीम के सहयोग से हर मानक पर जिले की स्थिति में प्रगति लाने के लिए विशेष प्रयास किए गए,जिससे ये सुधार संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि अभी भी जिला प्रशासन के द्वारा ऐसे प्रयास किए जा रहे जिससे कि बीस सूत्री कार्यक्रम की रैंकिंग में जिला अव्वल स्थान प्राप्त करे।

पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट के बादल और गहराए

बेलआउट पर आईएमएफ से बातचीत में रोड़ा!

नई दिल्ली, एजेंसी। नकदी संकट से जूझ रही पाकिस्तान सरकार की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ बेलआउट पैकेज पर बातचीत सफल होती नहीं दिख रही है। बताया जा रहा है कि बातचीत में उस समय खटास आ गई जब दोनों पक्ष विदेशी वित्तपोषण अनुमानों और सटीक घरेलू राजकोषीय उपायों को अंतिम रूप देने में नाकाम रहे।

एक मीडिया रिपोर्ट में गुरुवार को बताया गया है कि बाहरी वित्तपोषण और घरेलू बजटीय कदमों पर एक स्पष्ट रूपरेखा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पाक पहुंचे मिशन में शामि अधिकारियों के साथ के साथ नौ फरवरी को वार्ता समाप्त होने से कम से कम एक दिन पहले साझा किया जाना चाहिए था। अब तक साझा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, अंतिम कार्य योजना पर फंड की आपत्तियां अभी भी बनी हुई हैं।

पाकिस्तान ने 2019 में इमरान खान की सरकार के दौरान 6 बिलियन अमरीकी डालर की अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मदद हासिल की थी। इसे पिछले साल बढ़ाकर 7 बिलियन अमरीकी डालर कर दिया गया था पर देश की जर्जर आर्थिक स्थिति के कारण वह आईएमएफ से इसकी राशि हासिल नहीं कर पा रही है।

कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा फिलहाल लंबित है और आईएमएफ के अधिकारियों और सरकार के बीच 1.18 अरब डलर रिलीज करने के लिए बातचीत चल रही है। हालांकि, वित्त और राजस्व राज्य मंत्री आइशा गौस पाशा ने कहा, हम मामले को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। उन्होंने कहा कि सभी मुद्दों का अंतिम रूप से समाधान हो जाने के बाद आईएमएफ को एमईएफपी सौंप दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि बहुत सी चीजें सुलझ गई हैं और उनमें से कुछ पर स्पष्टता की जरूरत है, जिस पर सरकार की टीम काम कर रही है। एक लिखित बयान में, वित्त मंत्रालय ने कहा कि आईएमएफ के साथ बातचीत बुधवार को जारी रही यह बातचीत राजकोषीय तालिका, वित्तपोषण आदि पर केंद्रित थी। सुधार कार्यों और उपायों पर व्यापक सहमति बनी है। बयान में कहा गया है कि के मिशन प्रमुख ने वित्त मंत्री से भी मुलाकात की है और उन्हें बातचीत के बारे में जानकारी दी। वित्त सचिव ने कहा, मिशन सभी को एक साथ रखने पर काम कर रहा है और एमईएफपी को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने इस बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि कर्मचारी स्तर के समझौते को हासिल करने के लिए निर्धारित वार्ता का विस्तार किया जाएगा या नहीं।

आंध्र में लोकेश की पदयात्रा के दौरान चित्तूर जिले में तनाव

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के महासचिव नारा लोकेश की पदयात्रा के दौरान उस समय तनाव हो गया, जब एक पुलिस अधिकारी ने सड़कों पर जनसभाओं पर प्रतिबंध का हवाला देते हुए उनसे माइक छीनने की कोशिश की। घटना एनआर पेटा में एनटीआर चौराहे पर उस समय हुई, जब लोकेश पदयात्रा में शामिल लोगों को संबोधित कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें यह कहते हुए रुकने के लिए कहा कि सड़कों पर सभाओं की अनुमति नहीं है। उन्होंने सड़कों पर जनसभाओं को प्रतिबंधित करने वाले पिछले महीने जारी सरकारी आदेश (जीओ) नंबर एक का हवाला दिया।

तेदेपा नेता ने फिर भी अपना भाषण जारी रखा, तब एक पुलिस अधिकारी ने उनके हाथ से माइक छीनने की कोशिश की। इसके बाद तेदेपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारी के साथ धक्का-मुक्की की, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि पुलिस जगह-जगह पदयात्रा में अड़ंगा लगा रही है।

तेदेपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू के बेटे लोकेश ने 13वें दिन पदयात्रा श्युवा गालम जारी रखी। चित्तूर विधानसभा क्षेत्र के ष्णापुरम में स्थानीय किसानों ने लोकेश से मुलाकात की और उन्हें बताया कि चंद्रबाबू नायडू को पसंद करते हैं, क्योंकि वह एक किसान परिवार से आते हैं, उन्हें षक समुदाय की समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी है।

यह याद करते हुए कि चंद्रबाबू नायडू, मुख्यमंत्री के रूप में, तत्कालीन षि मंत्री सोमीरेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी के साथ बार-बार समीक्षा बैठकें किया करते थे, उन्होंने कहा, चंद्रबाबू नायडू ने बड़े पैमाने पर षि और संबद्ध क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया, लेकिन अब किसानों से कई वादे करके सत्ता में आए मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने एक भी वादा पूरा नहीं किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मोटर पंप सेटों पर मीटर लगाकर किसानों को परेशान कर रहे हैं।

सारण में ट्रक की चपेट में आने से होमगार्ड जवान की मौत

छपरा (एजेंसी)। बिहार में सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र में गुरूवार को ट्रक की चपेट में आने से बिहार गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) जवान शिव नाथ तिवारी की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मढ़ौरा-अमनौर राजकीय राजमार्ग संख्या 73 पर अनियंत्रित ट्रक ने होमगार्ड जवान शिव नाथ तिवारी (52) को कुचल दिया। इस घटना में होमगार्ड जवान की मौके पर ही मौत हो गयी।

बिहार : सारण हिंसा में घायल दूसरे युवक की मौत, सोशल साइट पर 10 फरवरी तक रोक

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण जिला के मांझी थाना क्षेत्र में मुबारकपुर में मुखिया पति विजय यादव द्वारा कथित तौर पर तीन युवकों को बंधक बनाकर पिटाई से घायल एक और युवक ने बुधवार की रात दम तोड दिया। उधर, इलाके में 10 फरवरी तक सोशल साइटों पर रोक लगा दी गई है। पहले यह रोक आठ फरवरी तक लगाई गई थी। पुलिस के मुताबिक, मुबारकपुर में मुखिया पति विजय यादव द्वारा अपने मुर्गी फार्म में तीन युवकों की कथित पिटाई में घायल राहुल कुमार सिंह ने भी दम तोड दिया। इससे पहले पिटाई से अमितेश कुमार सिंह की मौत हो गई थी। इसके बाद क्षेत्र में आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर में जमकर उत्पात मचाया था।

पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि मामले में फरार चल रहे चार आरोपियों विजय यादव, अजय यादव, दीपक यादव और विक्की यादव की संपत्तियों की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

अजीत डोभाल ने की रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस बारे में रूस में भारत के दूतावास ने ये जानकारी दी है।

बता दें कि अजीत डोभाल मास्को में अफगानिस्तान पर बहुपक्षीय सुरक्षा को लेकर हुई बैठक में शामिल होने पहुंचे हैं। गुरुवार को एनएसए अजीत डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है।

रूस में स्थित भारतीय दूतावास की ओर से ट्वीट कर बताया गया कि एनएसए अजीत डोभाल ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को लागू करने की दिशा में काम जारी रखने पर भी सहमति बनी।

चमोली में 1376 स्कूलों में एफएचटीसी के काम पूरे

चमोली। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत चमोली जिले के 1376 विद्यालयों और 953 आंगनबाड़ी केंद्रों में एफएचटीसी के कार्य पूरे हो गये हैं। 584 ग्राम पंचायत भवनों में भी एफएचटीसी का कार्य पूरा हो गया है। गोपेश्वर में आयोजित जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की बैठक में जल जीवन मिशन के नोडल अधिकारी और जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी ने यह जानकारी दी। बताया कि इस वित्तीय वर्ष में 4924 एफएचटीसी का लक्ष्य है ।

कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क, मुकुंदरा टाइगर रिजर्व को बंद करने की चेतावनी

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान में संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलित वनकर्मियों ने अब मांगें नहीं मांगे जाने पर कोटा के अभेड़ा बायोलजिकल पार्क, मुकुंदरा टाइगर रिजर्व समेत सभी पर्यटन स्थल अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की चेतावनी दी है।

राजस्थान अधीनस्थ वन कर्मचारी संघ कोटा के जिलाध्यक्ष रामस्वरूप गोचर ने कहा कि वन कर्मचारी अपनी नीतिगत मांगों को लेकर शांतिपूर्वक आंदोलन पर हैं। इसके बावजूद सरकार वन कर्मचारियों को नजरअंदाज कर रही है। ऐसे में अब आंदोलन तेज किया जाएगा।

आंदोलन के दौरान अभेड़ा समेत सभी पर्यटन स्थलों के गेट बंद करके धरना दिया जाएगा। इस दौरान वन्यजीवों और वनसंपदा की देखभाल का जिम्मा भी वनकर्मी नहीं संभालेंगे। इसके बाद कोटा संभाग के टाइगर रिजर्व और अभेड़ा बायोलजिकल पार्क से लेकर सभी वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की और संपदा की सुरक्षा को लेकर आशंका पैदा हो गई है।

वनकर्मियों ने बताया कि उनको पुलिस एवं पटवारियों के समकक्ष वेतन दिलाने, कार्यभारित कर्मचारियों को वनरक्षक के पद पर समायोजित करने, मैस भत्ता राशि 2200 रुपए, वर्दी भत्ता सात हजार वार्षिक, वाहन चालकों को पदोन्नति, साइकिल भत्ते के स्थान पर पेट्रोल भत्ता दो हजार रुपए प्रतिमाह, अपराधों की रोकथाम के लिए हथियार व अन्य सुरक्षा संसाधन देने, हार्ड ड्यूटी अलाउंस सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है।

नागपुर टेस्ट में हेड को नहीं खिलाने से हेडन, वॉ हैरान

नागपुर, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मैथ्यू हेडन और स्टीव वॉ ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट की टीम से ट्रेविस हेड को बाहर किए जाने पर हैरानी जताई। हेडन ने कहा कि यह बल्लेबाज स्वयं भी यह जानने के बाद हैरान था कि वह नहीं खेल रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने 2021–22 एशेज श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हेड की जगह दाएं हाथ के बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब को चुना। हेड को नहीं खिलाने का कारण संभवतः यह था कि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। मैच के लिए अंतिम एकादश की घोषणा के बाद फॉक्स क्रिकेट पर हेडन के हवाले से कहा गया, मुझे इस पर (हेड को बाहर करने पर) विश्वास नहीं हो रहा। मार्क वॉ उसके साथ बैठे थे और हेड को भी इस पर विश्वास नहीं हो रहा था।

हेडन ने कहा, मेरे लिए वह गर्मियों के सत्र का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी था। मुझे पता है कि ब्रिसबेन के गाबा में पूरी तरह से अलग परिस्थितियां थी लेकिन ब्रिसबेन में उसके 90 रन (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ) शानदार थे। उसने ऐसे रन बनाए जैसे वह सपाट विकेट था लेकिन ऐसा नहीं था। वह घास से भरी हरी पिच थी।

वॉ ने महसूस किया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली और मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने शायद विकेट को लेकर हो रही चर्चा को अधिक तवज्जो दे दी। वॉ ने इंस्टाग्राम पर लिखा, विश्वास करना मुश्किल है कि हम दुनिया में चौथे नंबर के टेस्ट बल्लेबाज को बाहर कर सकते हैं और शायद पिछले 12 महीनों में हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को और साथ ही वह औसत ऑफ स्पिन से बेहतर गेंदबाजी करता है। इंतजार करते हैं और देखते हैं।

कोहली ने छोड़ा स्टीव स्मिथ का कैच, तो पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने जमकर लगाई क्लास

नई दिल्ली, भारत और ऑस्ट्रेलिया (क्ठऊ५२ अवर) के बीच नागपुर में खेले गए पहले टेस्ट के पहले दिन के खेल में भारतीय टीम ने 1 विकेट के नुकसान पर 77 रन बनाए।

बता दें कि पहले दिन के खेल में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से स्टीव स्मिथ का कैच ड्रॉप हो गया था, हालांकि स्मिथ 37 रन बनाकर ही आउट हुए, लेकिन कैच छोड़ने की वजह से कोहली को जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्क वॉ का एक ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कोहली को कैच ड्रॉप करने पर जमकर ट्रोल कर रहे है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली को पहले दिन के खेल में स्टीव स्मिथ का कैच छोड़ने के बाद जमकर ट्रोल किया है। बता दें कि लाइव कमेंट्री के दौरान मार्क वॉ ने कोहली को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी।

भारतीय टीम के खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव और श्रीकर भरत ने किया टेस्ट डेब्यू

नागपुर ,भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्राफी की शुरूआत हो चुकी है। इस सीरीज के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट सीरीज के लिए भी महत्वपूर्ण है। दोनों टीमों के बीच नागपुर में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है।

इस मैच में आज जो सबसे बड़ी बात रही वो यह है की भारत की और से दो खिलाड़ियों ने एक साथ टेस्ट मैच के लिए डेब्यू किया है। भारत की और से सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर श्रीकर भरत ने टेस्ट मैच में डेब्यू किया है। इन दोनों ही खिलाडियों के लिए यह पहला टेस्ट मैच है।

सूर्य कुमार यादव सबसे कम उम्र में तीनों फार्मेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए है। सूर्यकुमार यादव ने सबसे पहले टी20 इंटरनेशनल में 14 मार्च 2021 को डेब्यू किया था। इसके बाद 18 जुलाई 2021 को वनडे में डेब्यू किया और अब 9 फरवरी 2023 को टेस्ट डेब्यू किया है।

पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ड्रॉप किया गया था। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ रिजवान पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। उनकी जगह टीम मैनेजमैंट ने सरफराज अहमद को मौका मिला था, लेकिन अब रिजवान ने इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खुद को टीम से बाहर करने की बात कहने के साथ सरफराज अहमद को मौका देने का सुझाव दिया था।

दरअसल, पाकिस्तान टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने हाल ही मेंक चौंकाने वाला खुलासा किया है। रिजवान ने कहा कि उन्होंने ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम मैनेजमैंट से कहा था कि वह उन्हें प्लेइंग–11 से ड्रॉप करे और सरफराज अहमद को मौका दिया जाए।

क्रिकेट पाकिस्तान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा,"आप हेड कोच सकलैन मुश्ताक से पूछ सकते हैं कि मैंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद क्या कहा था। मैं काफी खुश था कि सरफराज अहमद ने न्यूजीलैंड सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया और यही चीज में चाहता था। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि मैं परफॉर्म नहीं कर पा रहा था और अगली सीरीज में मेरी जगह नहीं बनती है। कुछ खिलाड़ियों का कहना है कि हर एक खिलाड़ी इस फेज से गुजरता है और आप कुछ मैचों में फेल होने के बाद बेंच पर नहीं बैठ सकते हैं"

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा, "मैंने कोच और कप्तान से खुद कहा कि आप मुझे ड्रॉप कर सकते हो क्योंकि मैंने परफॉर्म नहीं किया है। दो खिलाड़ी हैं जो इस बात के गवाह हैं। सरफराज डोमेस्टिक में परफॉर्म कर रहे हैं और इसी वजह से उन्हें मौका मिलना चाहिए था।

इसी वजह से सरफराज को अच्छा करते देखकर मैं काफी खुश था।"बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने लंबे समय बाद टीम में वापसी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 4 पारियां खेलते हुए 83.75 के औसत से 335 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक देखने को मिले।

अश्विन—जडेजा की फिरकी में फंसी कंगारू टीम, पहले दिन के खेल में भारत ने बनाए 77/1

नई दिल्ली, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट मैच नागपुर में खेला जा रहा है। पहले दिन के खेल खत्म होने तक भारतीय टीम का स्कोर 77/1 रहा। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 177 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट के नुकसान पर 77 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया टीम 100 रनों से आगे चल रही है। दरअसल, पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत खराब नजर आई। दोनों सलामी बल्लेबाज सस्ते में अपना विकेट गंवाते हुए पवेलियन लौटे। मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेजा, अगली गेंद पर डेविड वॉर्नर को मोहम्मद शमी ने बोल्ड किया। मात्र 2 रन पर कंगारू टीम को दो बड़े झटके लगे। इसके बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने टीम की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 49 रन बनाए, तो स्टीव 37 रन बनाकर आउट हुए। बता दें कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने तीसरे सेशन में पारी के 22वें ओवर में दमदार अर्धशतक जड़ा। उन्होंने चौका लगाकर 66 गेंदों में फिफ्टी जड़ा,

जो कि उनके टेस्ट करियर का 15वां अर्धशतक रहा। बता दें कि रवींद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया टीम की पारी के दूसरे सेशन के बाद गेंद से कहर बरपाते हुए एक ओवर में दो विकेट झटके। बाएं हाथ के स्पिनर ने पारी के 36वें ओवर की पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमशः मार्नस लाबुशेन और मैट रेनशॉ को अपना शिकार बनाया। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने स्टीव स्मिथ को क्लीन बोल्ड किया और भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इस दौरान स्मिथ ने 107 गेंदों में सात चौके की मदद से 37 रन बनाए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के डेब्यूटेंड टॉड मर्फी बिना खाता खोले ही जडेजा का शिकार बने। इसके साथ ही पीटर हैंड्सकॉम्ब को भी जड्डू ने आउट किया। इस दौरान 84 गेंद पर 31 बनाकर आउट हुए।

फिल्मी सफर

शाहरुख की पठान ने दुनियाभर में पार किया 850 करोड़ का आंकड़ा, केजीएफ 2 को छोड़ा पीछे

शाहरुख खान की फिल्म पठान की बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई जारी है। 4 साल बाद लौटकर बॉक्स ऑफिस पर किंग खान ने जो सुनामी मचाई है, उसने साबित कर दिया है कि शाहरुख ही रियल बॉक्स ऑफिस किंग है। फिल्म भारत में 450 करोड़ और वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ का आंकड़ा छूने को तैयार है। हालाकि, फिल्म की 13वें दिन की कमाई में गिरावट देखने को मिली है। पठान ने 13वें दिन सिंगल डिजिट में कलेक्शन किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पठान ने सेकंड मंडे 8 करोड़ का ऑल इंडिया नेट कलेक्शन किया है। पठान ने 13 दिनों में इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 422 करोड़ के करीब कलेक्शन कर लिया है। रिलीज के 13वें दिन अमूमन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस सिंगल डिजिट में ही रहता है। फिर भी शाहरुख खान की फिल्म ने 13वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा होल्ड बना रखा है। काफी उम्मीदें हैं तीसरे वीकेंड तक पठान इंडिया में 450 करोड़ का आंकड़ा पार कर ले।

पठान ने 2सरे वीक में शुक्रवार को 13.50 करोड़, शनिवार को 22.50 करोड़, रविवार को 27.50 करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म ने दूसरे वीकेंड में ताबड़तोड़ 63.50 करोड़ का कारोबार किया था। शाहरुख खान के लिए इस वीक भी बॉक्स ऑफिस पर मैदान खाली है। कोई बड़ी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो रही है।

पठान ने देश ही नहीं विदेश में भी गदर मचाया हुआ है। वर्ल्डवाइड मार्केट में पठान 850 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। कुछ ही दिनों में फिल्म 1000 करोड़ वर्ल्डवाइड कमा लेगी। पठान शाहरुख खान के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन गई है।

इस आंकड़ों के साथ फिल्म ने केजीएफ 2 के हिंदी संस्करण को पीछे छोड़ दिया है। 2022 में आई केजीएफ 2(हिंदी संस्करण) ने करीब 434.70 करोड़ रुपये कमाए थे।

रजनीकांत की फिल्म में हुई जैकी श्रॉफ की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्राफ, दक्षिण भारतीय मूवीज के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ मूवी जेलर में दिखाई देने वाले है। रजनीकांत बहुत जल्द फिल्म जेलर में नजर आयेंगे। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ की भी एंट्री हो चुकी है। जैकी श्राफ का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, जिसमें वह खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रहे है। ट्विटर हैंडल से जैकी श्रॉफ का फर्स्ट लुक साझा किया गया है, इसमें वह काफी इंटेंस अंदाज में दिख रहे हैं। 'जेलर' एक एक्शन फिल्म है। इस मूवी के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं। खबरों का कहना है कि तमन्ना भाटिया स्टारर सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर को मेकर्स पैन इंडिया स्तर पर रिलीज करने जा रहे है। सुपरस्टार रजनीकांत का क्रेज हिंदी भाषी दर्शकों में भी काफी अधिक है। इतना ही नहीं उनकी रोबोट और 2.0 जैसी मूवीज ने हिंदी सिनेमाई मार्केट में भी तहलका मचाया था।

बिग बॉस—16 से बाहर आते ही निमृत कौर अहलूवालिया ने शेयर किया पहला वीडियो

कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस 16 को अपने टॉप पांच कंटेस्टेंट मिल गए हैं। 12 फरवरी को इस शो का ग्रैंड फिनाले होगा, जिसमें शिव ठाकरे, प्रियंका चाहर चौधरी, अर्चना गौतम, एमसी स्टेन और शालीन भनोट हैं। वहीं, फिनाले वीक में आकर निमृत कौर अहलूवालिया इविक्ट हो गई हैं। निमृत शो की पहली फाइनलिस्ट थीं और एक्ट्रेस को यह चांस बिग बॉस ने दिया था।

लेकिन फिनाले वीक में आते ही जनता के वोट्स के आधार पर निमृत घर से बाहर हो गई हैं। बिग बॉस 16 से बाहर आने के बाद एक्ट्रेस ने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फैंस को धन्यवाद कह रही हैं।

दरअसल, फिनाले वीक में बिग बॉस 16 के घर में एक

जबरदस्त ट्विस्ट आया। शो में ऑडियंस की एंट्री हुई और उन्होंने अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट के लिए वोट किया। इस वोटिंग में निमृत सबसे पीछे रहीं और इस वजह से वह अब शो से बाहर हैं। निमृत ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस एक्ट्रेस में निमृत अपने सभी फैंस को धन्यवाद कहती दिख रही हैं। वह कहती हैं कि मैं बहुत ही एक्साइटेड हूं और मैं बहुत ही फ्री महसूस कर रही हूं। मुझे सिर्फ खुद पर ही नहीं बल्कि आप लोगों पर ही गर्व हैं। मैं सच में आपसे यह कहना चाहती हूं कि यह जर्नी आप लोगों के बिना पूरी नहीं हो सकती थी। मैंने अपना सारा समय आप तक पहुंचने में लगाया है।

रामायण में रावण बनेंगे यश, प्रभु श्री राम का किरदार निभाएगा रणबीर कपूर

जाने माने मशहूर निर्देशक नितेश तिवारी पिछले लंबे समय से अपनी फिल्म रामायण को लेकर ख़बरों में हैं। फिल्म के प्री प्रोडक्शन में काफी समय लग रहा है तथा अभी से ही दर्शकों को उम्मीद है कि ये फिल्म धमाका करेगी। अभी तक फिल्म के बारे में कुछ भी पुख्ता तौर पर सामने नहीं आया है, मगर रिपोर्ट्स के हवाले से कई खबरें सामने आई हैं। इस बीच एक रिपोर्ट के अनुसार बताया जा रहा है कि फिल्म में राम की भूमिका में रणबीर कपूर दिखाई दे सकते हैं, जबकि यश फिल्म में रावण का किरदार निभाएंगे। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अभी तक इस पर मुहर नहीं लगी है तथा यश और रामायण निर्माताओं के बीच बातचीत जारी है। कहा जा रहा है कि केजीएफ 2की कामयाबी के बाद यश के पास कई बड़े बड़े ऑफर्स हैं, ऐसे में उन्हें प्रोजेक्ट्स चुनने में बहुत समय लग रहा है।

हालांकि नितेश की रामायण उनके टॉप 5 में शुमार बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, इस वर्ष की गर्मियों से फिल्म का शूट शूट आरम्भ हो जाएगा। खबरें हैं कि फिल्म के सिर्फ 2 या तीन नहीं बल्कि 5 पार्ट जारी किए जाएंगे। यश स्टारर फिल्म केजीएफ के प्रोडक्शन हाउस हॉम्बले फिल्म्स का कहना है कि वो फिल्म को एक ब्रान्ड की भांति सीरीज में बनाना चाहते हैं। हालांकि इसमें सिर्फ यश ही नहीं बल्कि कई अन्य एक्टर भी जुड़ेंगे।

अंकिता लोखंडे ने मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी में अपने काम को किया याद

कंगना रनौत–अभिनीत फिल्म मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी के चार साल पूरे होने पर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपनी पहली परियोजना के बारे में उदासीन हो गईं और उन्होंने इस पर काम करना याद किया। अंकिता, जिन्हें पवित्र रिश्ता में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है, उन्हें 2019 की फिल्म में रानी लक्ष्मीबाई की सेना में एक कमांडर झलकारीबाई की भूमिका निभाते हुए देखा गया था।

अंकिता ने साझा किया, जब झलकारीबाई को पहली बार मेरे सामने पेश किया गया था, तो मैंने तुरंत जुड़ाव और शक्तिशाली महसूस किया। मुझे पता था कि यह किरदार बॉलीवुड में मेरी शुरूआत के लिए एकदम सही था।38 वर्षीय अभिनेत्री झलक दिखला जा 4, कॉमेडी सर्कस जैसे रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं।हालांकि उन्हें पवित्र रिश्ता से काफी

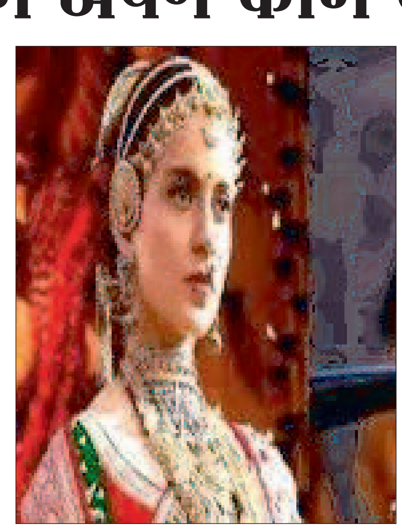

लोकप्रियता मिली और मणिकर्णिका से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद वह बागी 3 में भी नजर आई थीं। अंकिता अगली बार रणदीप हुड्डा के साथ स्वतंत्र वीर सावरकर में नजर आएंगी। उन्होंने आगे कहा, एक वास्तविक जीवन का किरदार निभाना और उन भावनाओं को बाहर निकालना एक चुनौती है और मुझे इसे इतनी अच्छी तरह से निभाने में अद्भुत लग रहा है।

मैं एक सुंदर और मजबूत यादगार पहला कदम पाकर अद्भुत महसूस कर रही हूं।मणिकर्णिकाः झांसी की रानी झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित एक ऐतिहासिक नाटक था। मुख्य भूमिका बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने निभाई थी। इसका निर्देशन कृष जगरलामुदी और रनौत ने किया था। फिल्म में अंकिता लोखंडे, जिशु सेनगुप्ता, अतुल कुलकर्णी और अन्य ने भी अभिनय किया।

जयन्त

संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com